RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 138 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 2 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

जन्मदिन पर की हवाई फायरिंग अब हवालात में कटेंगे दिन अपराध और अवैध हथियार के खिलाफ दुर्ग पुलिस की कार्रवाई

भिलाई। जिले में लगातार घटित हो रही चाकूबाजी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुये दुर्ग एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने अवैध रूप से हथियार रखने वालों की पहचान सुनिश्चित कर उन लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिये हैं। जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव एवं उप पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के मार्गदर्शन में ए.सी.सी.यू प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा व थाना प्रभारी पुरानी भिलाई निरीक्षक मनीष शर्मा के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर टीम को कार्यवाही के लिए लगाया गया था।

वहीं टीम द्वारा अवैध रूप से हथियार रखने वालों व बेचने वाले संदेहियों पर सतत निगरानी रखी जा रही थी। वहीं आदतन अपराधियों व जेल से रिहा हुये अपराधियों से पूछताछ कर पतासाजी के प्रयास किये जा रहे थे और विशेष सूत्र भी लगाये गये थे। इसी दौरान सूत्रों ने बताया कि देवबलोदा चरोदा निवासी के.गौतम अपने पास देषी कट्टा रखा हुआ है जिससे अपने जन्मदिन की पार्टी दोस्तों के साथ मनाते समय हवाई फायरिंग भी किया है। सूचना पर पुलिस टीम ने के.गौतम को देवबलोदा चरोदा में घेराबंदी कर पकड़ा गया। वहीं शुरूआती पूछताछ में आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा लेकिन सख्ती से पूछताछ के दौरान मोबाईल फोन पर जन्मदिन के दिन हवाई फायरिंग करते हुये रिकार्ड किया गया वीडियो मिला। उक्त हथियार को आरोपी ने 30,000/- रूपये में अनिल सोनी उर्फ गुड़वा नाम के व्यक्ति से कट्टा एवं कारतूस को खरीदने की बात कही। आरोपी के.गौतम निवासी देवबलोदा चरोदा के निशानदेही पर 01 नग देषी कट्टा व 01 नग कारतूस का खोखा बरामद कर जप्त किया गया। आग की कार्यवाही थाना पुरानी भिलाई द्वारा की जा रही है। उक्त कार्यवाही में एसीसीयू से सउनि शमित मिश्रा, प्र.आर.सत्येन्द्र मढ़रिया, आरक्षक अमित दूबे, रिंकू सोनी, भावेष पटेल, राकेष अन्ना, राकेष चौधरी, डी.प्रकाष, नितिन सिंह, अरविंद मिश्रा एवं थाना पुरानी भिलाई से प्र.आर.राजेश तिवारी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और चीफ जस्टिस की कमेटी करेगी निर्वाचन आयुक्त का चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी व्यवस्था बनाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को अपना फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपने फैसले में कहा कि प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष या सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की कमेटी मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों का चयन करेगी। हालांकि, नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास ही रहेगा। पीठ में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार शामिल हैं। पीठ ने पिछले साल 24 नवंबर को इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इससे पहले शीर्ष अदालत ने पूर्व नौकरशाह अरुण गोयल को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने में केंद्र द्वारा दिखाई गई जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी फाइल 24 घंटे में विभागों से बिजली की गति से पास हो गई। हालांकि, केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत की टिप्पणियों का जोरदार विरोध किया था। अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने तर्क दिया था कि उनकी नियुक्ति से संबंधित पूरे मामले को संपूर्णता से देखने की जरूरत है।

शीर्ष अदालत ने पूछा था कि केंद्रीय कानून मंत्री ने चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री को सिफारिश की गई चार नामों के एक पैनल को कैसे चुना, जबकि उनमें से किसी ने भी कार्यालय में निर्धारित छह साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। चुनाव आयोग अधिनियम, 1991 के तहत चुनाव आयोग का कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, लागू हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति पर दखल दिया था। अदालत ने चुनाव आयुक्त के तौर पर अरुण गोयल की नियुक्ति से संबंधित मूल रिकॉर्ड मांगे थे। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से सवाल किया था कि अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त पद पर कैसे नियुक्ति की गई है। पीठ ने कहा था कि वह सिर्फ तंत्र को समझना चाहती है।

एससी का फैसला: डीए मामले में फिर से खुलेगी फाइल, रमन सिंह के करीबी रहे अमन सिंह पर कसेगा शिकंजा

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के खास नौकरशाह और पूर्व प्रमुख सचिव अमन सिंह के भ्रष्टाचार की फाइल फिर खुलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिलासपुर हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें जनवरी 2022 में डीए मामले में पूर्व नौकरशाह अमन सिंह, उनकी पत्नी के खिलाफदर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने हाईकोर्ट के आदेशों को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अमन सिंह के पास अग्रिम जमानत मांगने के लिए तीन सप्ताह का समय है और उन्हें डीए मामले में जांच का हिस्सा बनने के लिए कहा है। पिछले साल छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राज्य के पूर्व प्रधान सचिव अमन सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफआय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि मामला दर्ज करना कानून की प्रक्रिया का 'दुरुपयोग' था और आरोप प्रथम दृष्टया थे। दरअसल, रायपुर निवासी उचित शर्मा ने अमन सिंह और यास्मीन सिंह के खिलाफआय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाते हुए एसीबी, एओडब्ल्यू में शिकायत किया था। शिकायत के आधार पर एसीबी, एओडब्ल्यू अपनी कार्रवाई शुरू की थी। इस कार्रवाई के खिलाफअमन सिंह और यास्मीन सिंह ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं प्रस्तुत की थी। प्रारंभिक सुनवाई में ही एचसी ने दोनों के खिलाफनो कोर्सिव स्टेप यानी किसी भी प्रकार के दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी थी।

सीएम बघेल से सोलो साइकलिस्ट आशा मालवीय ने की मुलाकात

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए कर रही हैं संपूर्ण भारत की सायकल यात्रा

मुख्यमंत्री ने की सोलो साइकलिस्ट सुश्री आशा के जज्बे की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में सोलो साइकलिस्ट सुश्री आशा मालवीय ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को सुश्री आशा मालवीय ने बताया कि वे महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश लेकर संपूर्ण भारत की सायकल यात्रा पर निकली हैं।

सुश्री आशा मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में ग्राम नाटाराम से हैं। उन्होंने यह यात्रा भोपाल से विगत 1 नवंबर को शुरू की है और देश की राजधानी दिल्ली में 15 अगस्त को इसका समापन करने वाली हैं। इस दौरान वे भारत के 28 राज्यों में लगभग 25 हजार किलोमीटर की यात्रा करेंगी। अभी तक वे 9 राज्यो में 9600 किलोमीटर दूरी तय कर चुकी हैं, छत्तीसगढ़ दसवां राज्य है।

मुख्यमंत्री ने सोलो साइकलिस्ट सुश्री आशा के जज्बे की सराहना की। उन्होंने उनसे अभी तक यात्रा के अनुभव के बारे में जाना और आगामी यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनका हौसला बढ़ाया। सुश्री आशा ने मुख्यमंत्री बघेल को बताया कि यात्रा में उन्हें छत्तीसगढ़ में महिलाओं के लिए किये जा रहे कार्यों को जानने का भी मौका मिला। राज्य में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है।

बिखरी सतरंगी छटा

दुर्ग। ग्राम अरकार केशव निषाद के बाड़ी में दोपहर को जब फव्वारों के गिरते पानी पर सूर्य की किरणें गिरी तो पानी की बूंदों में सतरंगी इंद्रधनुष उभर आया

फोटो जर्नलिस्ट - गौकरण निषाद

अनहोनी का डर: अमरपुर में एक हफ्ता पहले मनी 'होली'

कोरिया (एसकेपी)। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत अमरपुर में एक सप्ताह पहले बुधवार को धूमधाम से होली पर्व मनाया गया। ग्रामीणों ने विधि-विधान से होलिका का दहन किया फिर देवल्ला में पूजा-अर्चना कर एक दूसरे को रंग-गुलाल और अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। वहीं गांव के बुजुर्ग व युवा वर्ग फाग गीतों पर जमकर झूमते नजर आए।

अमरपुर में होली खेलने और देखने के लिए आसपास के ग्रामीण पहुंचे थे। यह परंपरा यहां वर्षों से चली आ रही है, इसके पीछे गांव वालों का डर है। ऐसी मान्यता है कि यदि सप्ताहभर पूर्व होली नहीं बनाई जाती है तो गांव में कोई न कोई अनहोनी हो जाती है।

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत अमरपुर में रंगों का त्योहार होली पर्व धूमधाम से मनाया गया। गांव में किसी प्रकार की अनहोनी को टालने हर साल एक सप्ताह पहले होली पर्व मनाया जाता है। जबकि भारतीय कैलेंडर के अनुसार इस वर्ष होली का पर्व 8 मार्च को मनाया जाएगा।

किसी अनहोनी को टालने की परंपरा का कर रहे निर्वाह

गांव के संरपंच धनेश्वरी सिंह, पूर्व पच राकेश कुमार यादव और स्थानीय रामशरण के अनुसार त्यौहार एक सप्ताह पहले मनाने से गांव के किसी परिवार में अनहोनी व किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होती है। गांव के लोगों को अनहोनी से बचाने के लिए वर्षों से एक सप्ताह पहले होली खेली जाती है। वहीं, पूर्वजों ने सालों पहले होली को पहले मनाने का रिवाज बनाया है।

प्रसव पीड़ा से पांच घंटे अस्पताल में तड़पती रही महिला, गर्भ में बच्चे की मौत, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद स्थित जिला अस्पताल में बुधवार को इलाज नहीं मिलने के कारण जन्म से पहले ही एक बच्चे की मौत हो गई। महिला को प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां पांच घंटे तक वह तड़पती रही, लेकिन डॉक्टर देखने नहीं पहुंचे। इस बीच हालत बिगड़ गई। बाद में महिला का ऑपरेशन किया गया, लेकिन तब तक गर्भ में ही बच्चे की मौत हो चुकी थी। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। अब अस्पताल प्रबंधन एक- दूसरे पर आरोप लगा रहा है। खास बात यह है कि महिला की मां भी मितानिन है, लेकिन इसके बाद भी किसी ने उसकी सुध नहीं ली।

जानकारी के मुताबिक, शहर के वार्ड 6, नयापारा निवासी काजल मानिकपुरी (24) पत्नी भवानी दास मानिकपुरी को 27 फरवरी की रात प्रसव पीड़ा हुई। इस दौरान वह डिलीवरी के लिए अपने परिजनों के साथ अपने मायके ग्राम खट्टी चली गई। चूंकि काजल मानिकपुरी की मां लक्ष्मीन ध्रुव स्वास्थ्य विभाग की मितानिन है। उन्हें भरोसा था कि खट्टी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नॉर्मल डिलीवरी हो जाएगी। लिहाजा रात करीब 10.30 से 11 बजे उसे स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। वहां उनका चेकअप किया गया, लेकिन बिगड़ती कंडीशन को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अगले दिन 28 फरवरी कि सुबह 10.30 बजे काजल को मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां उसे गायनिक वार्ड में रखा गया। प्रसव पीड़ा से जूझ रही काजल को डिलीवरी रूम लेकर गए। वहां ड्यूटी पर तैनात नर्सों ने चेक किया और नॉर्मल डिलीवरी हो जाने की बात कहते हुए इंतजार की बात कही। घंटों इंतजार के बाद भी कोई डॉक्टर महिला को देखने नहीं पहुंचा। आखिरकार तीन घंटे बाद सुबह 8 से 2बजे की शिफ्ट में तैनात ड्यूटी डॉक्टर प्रतिमा कोसेवारा, महिला को देखने पहुंची। इस दौरान उन्होंने भी महिला का सिजेरियन डिलीवरी कराने के बजाए इंतजार करने को कहा।

वहीं काजल की बिगड़ती हालत देखकर उसकी मितानिन मां लक्ष्मी लगातार डॉक्टरों और स्टाफसे सीजर के जरिए डिलीवरी कराने की गुहार लगाती रही। आरोप है कि किसी ने भी उनकी नहीं सुनी। परिजनों का आरोप है कि शिफ्ट खत्म होने के बाद डॉक्टर व स्टाफऐसे ही छोड़कर चले गए। दोपहर करीब 2.30 बजे डॉक्टर हेमंत चंद्रवंशी ने काजल को अटेंड किया तो उन्होंने पाया कि डिलीवरी कराने में काफी लेट हो चुका है और बच्चे की धड़कन रुक गई है। उन्होंने दोपहर करीब 3.30 जब सीजर कर बच्चे को बाहर निकाला गया तो वह दम तोड़ चुका था।

दोषी पाए जाने पर होगी कार्रवाई

अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर बसंत महेश्वरी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने गायनी डिपार्टमेंट से इसका जवाब मांगा है। साथ ही जनप्रतिनिधि भी मामले की शिकायत लेकर पहुंचे थे, जिस पर उन्हें भी रिटर्न में आवेदन देने की बात को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में मैन पावर की कमी होने की बात स्वीकार करते हुए, मामले की जांच कराने की बात कही। कहा कि, यदि जांच में कोई भी दोषी पाया जाता है तो उन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा महिला मोर्चा का अस्पताल में हंगामा

प्रसव पीड़ा के दौरान लापरवाही और बच्चे की मौत की खबर के बाद भाजपा महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज पहुंचकर व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए जमकर हंगामा किया। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुधा साहू ने इस दौरान कहा कि, अस्पताल में प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला की अनदेखी यहां तैनात डॉक्टरों और स्टाफकी घोर और गंभीर लापरवाही को उजागर करता है। जिसके चलते एक परिवार को अपने घर का चिराग खोना पड़ा है। किसी अन्य परिवार के साथ ऐसी घटना ना हो इस बात को लेकर सभी ने जमकर हंगामा किया।

महंगाई और बढ़ते अपराध के बीच सीधा संबंध

श्रीकंचनपथ

विभिन्न कारणों का हवाला देकर सरकार अपनी आमदनी तो बढ़ा लेती है पर उसे गरीबों को भी बताना चाहिए कि वे अपनी आमदनी कैसे बढ़ाएं। पहले ही आसमान को छू रही रसोई गैस और ईंधन की कीमतों ने महंगाई में हाहाकारी इजाफा कर रखा है। अब सरकार ने रसोई गैस के दामों में फिर से 50 से 350 रुपए तक की वृद्धि कर दी है। इसका असर न केवल घरेलू बजट पर पड़ेगा बल्कि जो लोग मजबूरी में बाहर खाते हैं, उनकी जेबें भी कटेंगी। कीमत बढ़ाकर अपने घाटे की भरपाई करना सरकार के लिए आसान है पर देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के पास इसका कोई विकल्प नहीं है। एक लंबे समय से वह अपना पेट काटकर जी रहा है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी द्वारा जारी किए गए एक शोध के आंकड़ों की मानें तो देश के 67 प्रतिशत परिवारों की आमदनी 10 हजार रुपए महीने से कम है। परिवहन की लगातार बढ़ती कीमतों ने उसे अपने घर के आसपास कैद कर दिया है। शहर छोड़कर नौकरी के लिए 50 किलोमीटर तक जाना भी उसके लिए असंभव हो चुका है। सरकारी मोटा अनाज खाकर वह किसी तरह जिंदा तो है पर इसका विपरीत प्रभाव उसकी कार्यक्षमता पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्र का मोटा सा सिद्धांत है कि ईंधन खर्च बढ़ने से महंगाई बढ़ती चली जाती है। चावल, खाद्य तेल और मसालों की कीमतों में लगभग 100 प्रतिशत का इजाफा पिछले कुछ वर्षों में हो चुका है। लाखों रुपए और सालों की मेहनत से हासिल की गई डिग्रियां भी युवाओं को ढंग का रोजगार नहीं दिला पा रही हैं। इधर, लोगों के सपने बड़े होते चले जा रहे हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए उसके पास सरकार जैसा कोई शार्टकट नहीं है। उनके लिए सिर्फ अपराध के रास्ते खुले हैं। 'जामताड़ा' तो इस समुद्र में तैरते हिमशिला का सिरा मात्र है। चोरी, छिनतई, अवैध उगाही, ठगी और इसके परिणामस्वरूप होने वाली हिंसक वारदातों को इसमें जोड़ लें तो देश का युवा तेजी से अपराधों की ओर बढ़ रहा है। 2017 में आंध्रप्रदेश में सायबर फ्रॉड के 166 मामले दर्ज किये गये थे जबकि 2020 में यह आंकड़ा 764 तक पहुंच गया। इसी अवधि में छत्तीसगढ़ में मामले 33 से 71 तक पहुंच गए। गुजरात में मामले 123 से बढ़कर 205, तो बिहार में 427 से बढ़कर 1294 हो गए। महाराष्ट्र में 1426 से 2032, ओडीशा में 333 से 1079, तेलंगाना में 277 से बढ़कर 3316 मामले दर्ज किये गये। अरुणाचल और गोआ ने भी 2020 में अपना खाता खोल लिया। सरकार यदि वाकई देश को तरक्की के रास्ते पर लेकर जाना चाहती है तो उसे बढ़ती महंगाई और अपराध के बीच के सीधे संबंधों को समझना होगा। समझना होगा कि अपराधों का ग्राफइसी तरह बढ़ता रहा तो आर्थिक तरक्की के सारे आंकड़े धरे के धरे रह जाएंगे और अर्थव्यवस्था जर्जर हो जाएगी।

संपादकीय

गमला चोरी का मतलब

वैसे तो चोरी बहुत घृणित अपराध है, लेकिन जब कोई अमीर या पैसे वाला छोटी चोरी करते देखा जाता है, तो चर्चा ऐसे होती है, मानो इंसान ने श्वान को काट लिया हो। वैसे समाज में चोरी बहुत सामान्य बात है, जगह-जगह सरकार स्वयं लिखती है कि अपने सामान की स्वयं रक्षा करें। लोग तो अपने सामान की रक्षा के लिए हर पल सजग रहते हैं, लेकिन सरकार सार्वजनिक सामान के लिए कहां-कहां सतर्कता बरत सकती है? नतीजा सामने है, जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले गुरुग्राम के सौंदर्यीकरण के लिए रखे गए गमलों की चोरी शर्मनाक ही नहीं, बल्कि दुखद भी है। गुरुग्राम में इतना बड़ा आयोजन हो रहा है, सबको पता है, विदेश से एक से बढ़कर एक प्रतिनिधि आएंगे, तो अतिरिक्त सजावट स्वाभाविक है, लेकिन अगर कोई पैसे वाला सजावटी गमलों को चुन-चुनकर उठा ले जाए, तो इससे निंदनीय और क्या हो सकता है? भला हो कि किसी ने इस कृत्य का वीडियो बना लिया, जिसमें बहुत आराम से दो शख्स फूल वाले गमले चुनकर तीस-चालीस लाख के वाहन में रखते दिख रहे हैं। गमले उठाने वालों ने जरा भी नहीं सोचा, उनकी मुद्रा में कोई संकोच या भय नहीं था, उन्हें शायद लग ही नहीं रहा था कि वे कुछ गलत कर रहे हैं। क्या ऐसी चोरी को नजरंदाज कर दिया जाए? क्या इसका मतलब यह निकाला जाए कि जो जरूरतमंद है, उसे भी चोरी करने का हक दिया जाए और जो सक्षम है, उसे भी सार्वजनिक वस्तुओं में से अपनी पसंद का चुन लेने दिया जाए? शायद ऐसी चोरियां बढ़ी ही इसलिए हैं, क्योंकि लंबे समय तक उन्हें नजरंदाज किया गया है। क्या छोटे-बड़े चोरों की ऐसी जमात देश में मजबूत हो गई है, जो सरकारी सामान या धन को निजी मानकर चलती है? ऐसे चोरों के नाम पर मत जाइए, उनकी बुनियादी मानसिकता को समझने की कोशिश कीजिए। अमीर गमला चोर को पुलिस ने पकड़ लिया है और कानून अपना काम करेगा, पर यह मनोवैज्ञानिक रूप से भी अध्ययन का विषय है कि ऐसे लोग आखिर कैसे और क्या सोचते हैं? रोटी के लिए बहुत मजबूरी में चोरी करते गरीबों के प्रति कुछ सहानुभूति हो सकती है, हालांकि, कानून में ऐसी किसी सहानुभूति के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। अगर हमारा संविधान गरीबों को भी कोई सामान उठा ले जाने की इजाजत नहीं देता है, तो जो अमीर सार्वजनिक सामान उठा ले जाते हैं, उन्हें तो कतई नहीं छोड़ा जाना चाहिए। अभी पिछले दिनों आगरा में भी जी-20 के आयोजन के लिए लगाए गए गमले चोरी हुए थे, तो पुलिस का पहरा बिठाना पड़ा था। वास्तव में, सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की खराब आदत पर स्कूल स्तर से ही काम करना होगा। हालांकि, शिक्षकों को भी कई बार स्कूल की संपत्ति का व्यक्तिगत दोहन करते पाया जाता है, ऐसे शिक्षक भला बच्चों को कैसी शिक्षा दे सकते हैं? न जाने कितने स्कूल होंगे, जहां बच्चे अपने शिक्षकों को सुस्वाद व पौष्टिक दोपहर भोजन का आनंद लेते देखते होंगे और शायद ऐसे ही बच्चे बड़े होकर सड़क पर लगे गमलों में से अपने घर के लिए पूरे हक से गमले चुनते होंगे? गुरुग्राम में गमलों की सुरक्षा के लिए 100 सुरक्षा गार्ड लगा देना ही पर्याप्त नहीं है। अब समय आ गया है कि सोच को सुनियोजित ढंग से बदला जाए। निजी व सार्वजनिक संपत्ति, दोनों की चोरी को एक जैसा समझा जाए। सरकार यह न बताए कि अपने सामान की रक्षा स्वयं करें, सरकार यह कहे कि आइए, मिलकर शून्य चोरी सुनिश्चित करें।

“ क्या छोटे-बड़े चोरों की ऐसी जमात देश में मजबूत हो गई है, जो सरकारी सामान या धन को निजी मानकर चलती है? ऐसे चोरों के नाम पर मत जाइए, उनकी बुनियादी मानसिकता को समझने की कोशिश कीजिए। अमीर गमला चोर को पुलिस ने पकड़ लिया है और कानून अपना काम करेगा, पर यह मनोवैज्ञानिक रूप से भी अध्ययन का विषय है कि ऐसे लोग आखिर कैसे और क्या सोचते हैं?

विपक्षी एकता क्यों नहीं ?

सुशासन बाबू नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता के लिए कांग्रेस को आग्रह किया है। उनका दावा है कि यदि 2024 में भाजपा बनाम विपक्ष का साझा उम्मीदवार के आधार पर चुनाव लड़ा जाता है, तो भाजपा 100 सीटों तक सिमट सकती है। नीतीश के इस बड़बोले चुनावी गणित का आधार क्या है, हम नहीं जानते, लेकिन कांग्रेस बखूबी जानती है कि ऐसी खुशफहमी नहीं पालनी चाहिए। बहरहाल कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने नीतीश के आग्रह और अपील का स्वागत किया है, लेकिन बिना नाम लिए यह तंज भी कसा है कि कुछ लोग विपक्ष की बैठकों में भाग लेते हैं, विपक्षी एकता के सरोकार भी लगातार जताते रहे हैं, लेकिन वे सत्ता पक्ष की गोद में भी बैठते रहे हैं। कमोवेश कांग्रेस की राजनीति ऐसी दोगली नहीं हैं। कांग्रेस हमेशा भाजपा का वैचारिक विरोध करती रही है। विपक्षी गठबंधन पर कांग्रेस अपने रायपुर राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विमर्श करेगी और फिर कोई रणनीति तय करेगी। जयराम रमेश ने नीतीश ही नहीं, सभी विपक्षी दलों को यह जरूर स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस के बिना कोई भी विपक्षी एकता सफल नहीं हो सकती, लिहाजा विपक्ष को कांग्रेस की छतरी तले ही एकजुट होना है। बहरहाल यह नीतीश कुमार और कांग्रेस के बीच का संवाद है, जो विपक्षी एकता की एक हूक भर हो सकती है। विपक्ष का विस्तार काफी व्यापक है। दरअसल पहले जो तीसरा मोर्चा बनता था, वह कांग्रेसी समर्थन पर ही जिंदा रहता था। कांग्रेस ने समर्थन वापस लिया और सरकार धड़ाम हुई। अलबत्ता उन मोर्चों की राजनीति कमोबेश संकल्प और देशहित के इर्द- गिर्द की होती थी। आज जो विपक्षी मोर्चा आकार ग्रहण कर सकता है, वह सम्पूर्ण लामबंदी नहीं होगा। राष्ट्रीय मोर्चा भी नहीं होगा। राज्यों के स्तर पर, सुविधा के मुताबिक, गठबंधन किए जा सकते हैं। राष्ट्रीय मोर्चा की संभावनाएं, इसलिए, क्षींण हैं, क्योंकि विपक्ष के भीतर ही विपक्ष मौजूद है। हरिया त्रिपुरा चुनाव का ही उदाहरण से, दो एक तरफ वामदल और कांग्रेस का गठबंधन था, तो उनके विरोध में तृणमूल कांग्रेस चुनावी समर में रही। इसके समानांतर केरल में वाममोर्चा और कांग्रेसी मोर्चा आमने-सामने होंगे। आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, बंगाल आदि राज्यों में विपक्षी एकता की दिशा और दशा ही भिन्न है। यहां कई नेता प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाएं पाले हुये हैं। यह दीगर है कि उनके राज्यों के बाहर उनकी स्वीकृति शून्य सी है। अब केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक और मिजोरम राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है । यह राजनीति कांग्रेस और नीतीश के विपक्षी इरादों के बिल्कुल विपरीत है। दरअसल विपक्षी एकता के बयान तो खूब आते रहे हैं, लेकिन प्रयास नहीं किए जा पा रहे हैं, जबकि आम चुनाव करीब 15 माह दूर ही हैं। चुनाव की दृष्टि से यह बहुत समय नहीं है। कांग्रेस देश भर में हाथ से हाथ जोड़ने के दिवास्वप्नों में ही डूबी है। उसे लगता है कि राहुल गांधी की यात्रा का प्रभाव और प्रयोग बेहद सफल रहा है, जबकि यथार्थ यह है कि उसके सामने प्रधानमंत्री मोदी की अकाट्य चुनौती है और संगठित तथा प्रशिक्षित काडर वाली भाजपा का मुकाबला करने में बिखरी कांग्रेस को अभी न जाने कितना वक्त लगेगा! चुनावी यथार्थ यह भी है कि देश के 17 राज्यों में कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। उत्तर प्रदेश में 2 ही विधायक हैं और सांसद सोनिया गांधी ही हैं। ऐसे में सपा-बसपा के साथ गठबंधन कैसे होगा ?

अजय दीक्षित

“ **रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रूस संधि में तय प्रतिबंधों का पालन करता रहेगा। इसने उन आशंकाओं को निर्मूल साबित किया है कि पुतिन अमेरिका के साथ परमाणु हथियारों की एक नई दौड़ शुरू कर रहे हैं। हालांकि, निरीक्षण का काम बंद होने और आपसी विश्वास की भारी कमी के चलते दोनों देश एक-दूसरे को लेकर बुरा ही सोचेंगे।**

परमाणु हथियारों को चाहिए नई नकेल

राकेश सूद, पूर्व राजनयिक

पिछले हफ्ते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'स्टेट ऑफ द नेशन' (राष्ट्राध्यक्ष द्वारा संसद में दिया गया संबोधन) दिया। क्रेमलिन पर नजर रखने वालों का मानना था कि यूक्रेन युद्ध की पहली बरसी से दो दिन पहले दिए गए इस उद्बोधन में राष्ट्रपति एक नई युद्ध रणनीति की घोषणा करेंगे। इसके बजाय पुतिन ने यह एलान कर सबको चौंका दिया कि अमेरिका-रूस नई 'स्टार्ट' संधि (सामरिक हथियारों को सीमित और कम करने को लेकर 2010 में किया गया समझौता) से मॉस्को अपनी भागीदारी निलंबित कर रहा है। इस घोषणा से जाहिर होता है कि परमाणु हथियारों पर नियंत्रण का 20वीं सदी का मॉडल दम तोड़ चुका है।

नई स्टार्ट संधि के मुताबिक, रूस और अमेरिका, दोनों देश अपने-अपने यहां अधिकतम 1,550 परमाणु मिसाइल, 700 लॉन्चर (भारी बमवर्षक और लंबी दूरी की मिसाइलें) बिल्कुल तैयार स्थिति में रख सकते हैं। मगर असलियत में, दोनों के पास इससे तीन गुना अधिक हथियार हैं, जो भंडार के तौर पर और रिटायर्ड के नाम पर रखे गए हैं। इसके अलावा, रूस के पास 2,000 से अधिक सामरिक परमाणु हथियार होने के अनुमान हैं और अमेरिका के पास इससे कुछ ऊपर-नीचे। पूरी दुनिया के 90 फीसदी से अधिक परमाणु हथियार अब भी इन्हीं दोनों देशों के पास हैं। नई स्टार्ट संधि फरवरी, 2026 तक वैध है, और यह 2021 में ही खत्म हो चुकी होती, क्योंकि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन को भी वार्ता में शामिल करने को लेकर दृढ़ थे, लेकिन बीजिंग ने इसको नकार दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार संभालने के बाद इसे पांच साल के लिए विस्तार दिया गया, लेकिन आगे की कार्रवाई के लिए यह समझौता महज छलावा साबित हुआ है। इस संधि के तहत तय ऑन-साइट निरीक्षण (दोनों देशों का एक-दूसरे के परमाणु केंद्रों पर साल में 18 दौरे करने संबंधी प्रावधान) 2020 से बंद है। पहले इसकी वजह बनी कोविड महामारी और फिर यूक्रेन युद्ध। पिछले नवंबर में रूस ने द्विपक्षीय सलाहकार आयोग की बैठक भी रद्द कर दी।

पुतिन ने दावा किया कि अमेरिका की मंशा रूस की 'रणनीतिक हार' है, ऐसे में परमाणु निरीक्षण का विचार 'बेतुका' है, इसीलिए इस संधि को स्थगित करने का उन्होंने फैसला लिया है। उन्होंने परमाणु बमवर्षक तैनाती वाले रूसी हवाई अड्डों पर बढ़ते ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया, जो बकौल पुतिन, नाटो से मिलने वाली खुफिया सूचनाओं के आधार पर किया जा रहा है। पुतिन ने संकेत दिया कि अमेरिका फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की तैयारी कर रहा है और यदि ऐसा हुआ, तो रूस भी पीछे नहीं हटेगा।

रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रूस संधि में तय प्रतिबंधों का पालन करता रहेगा। इसने उन आशंकाओं को निर्मूल साबित किया है कि पुतिन अमेरिका के साथ परमाणु हथियारों की एक नई दौड़ शुरू कर रहे हैं। हालांकि, निरीक्षण का काम बंद होने और आपसी विश्वास की भारी कमी के चलते दोनों देश एक-दूसरे को लेकर बुरा ही सोचेंगे। हाइपरसोनिक मिसाइलों, ग्लाइडवाहनों और लो-यील्ड हथियारों के लिए दोनों देश परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में व्यापक तौर पर लगे हुए हैं। इसके अलावा, साइबर क्षमताओं की आक्रामकता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रति रुझान से परमाणु कमांड और कंट्रोल सिस्टम के लिए नया खतरा पैदा हुआ है।

उधर, चीन के पास लगभग 300 परमाणु हथियार हैं, और सैटेलाइट की तस्वीरों से वहां चार नई साइलो मिसाइल केंद्रों का पता चला है। इसके अलावा, उसने हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहनों और एक फ्रैक्शनल ऑर्बिटल बॉम्बार्डमेंट सिस्टम का परीक्षण भी किया है, जो बताता है कि अमेरिका की परमाणु बढ़त को खत्म करने के लिए वह अपनी परमाणु क्षमताएं बढ़ाना चाहता है। साल 2021 में, पेंटागन ने बताया था कि चीन के शस्त्रागार में 2030 तक 1,000 परमाणु हथियार हो जाएंगे, जो व्यापक रूप से एक स्वीकृत सोच है। आशंका यह भी है कि जैसे ही वह अपनी पूर्व-चेतावनी उपग्रह क्षमता को विस्तार देगा, पहले हमला न करने संबंधी उसका मौजूदा रुख लॉन्च-ऑन-वार्निंग (आशंका की सूरत में परमाणु हमला करना) में बदल सकता है।

उत्तर कोरिया ने भी पिछले साल अपने मिसाइल कार्यक्रम को तेज कर दिया था और 90 के करीब प्रक्षेपण किए। परीक्षण स्थल की गतिविधियों ने यह आशंका बढ़ा दी थी कि यह देश सातवां परमाणु परीक्षण करने की योजना बना रहा है। इस बीच, मीडिया रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि ईरान में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को 84 फीसदी तक समृद्ध यूरेनियम के निशान मिले, जो कि परमाणु बम बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 90 फीसदी के स्तर से बमुश्किल कम थे। ईरान ने 60 फीसदी से अधिक संवर्धन से इनकार किया और मीडिया में इस सूचना को लीक करने के लिए आईएईए को दोषी ठहराया।

मौजूदा राजनीतिक मतभेद बहुपक्षीय हथियार नियंत्रण का सबसे सफल उदाहरण परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) में भी स्पष्ट दिखता है। यह समझौता परमाणु प्रसार को थामने में तो सफल रहा, लेकिन परमाणु हथियारों पर बेअसर साबित हुआ। यही कारण है कि हाल के वर्षों में एनपीटी समीक्षा सम्मेलन न सिर्फ विवादों में रहे हैं, बल्कि किसी आम सहमति तक पहुंचने में भी विफल साबित हुए हैं। एक अन्य बहुपक्षीय समझौता, व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर 1996 में सहमति बनी, लेकिन 25 वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी इसे लागू नहीं किया जा सका है।

बड़ी ताकतों में प्रतिद्वंद्विता नई परिघटना नहीं है, पर अंतर यह है कि अब दुनिया दो-ध्रुवीय नहीं रही। 21वीं सदी की परमाणु बहुध्रुवीय दुनिया में शीत युद्ध के दौरान बना परमाणु हथियार नियंत्रण मॉडल, जिसे दो परमाणु महाशक्तियों ने आकार दिया था, बेमानी साबित हो रहा है। आज अमेरिका-रूस, अमेरिका-चीन, अमेरिका-उत्तर कोरिया, भारत-पाकिस्तान, भारत-चीन जैसे कई परमाणु समीकरण होने के बाद भी कोई अपने आप में पूर्ण नहीं है। इतना ही नहीं, अब परमाणु हमले संबंधी बयानबाजी बढ़ चली है, जिससे खतरा बढ़ने का स्वाभाविक अंदेशा है। दो-ध्रुवीय दुनिया में यह धारणा थी कि परमाणु हथियारों के रहने से प्रमुख महाशक्तियों में युद्ध का खतरा कम रहेगा। मगर परमाणु हथियारों ने समाधान को प्रोत्साहित नहीं किया। पुतिन का भाषण इसी सच्चाई को प्रतिबंबित करता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत में भ्रष्टाचार विरोधी ढांचा और लोगों की ईमानदारी

पी डेनियल, सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग

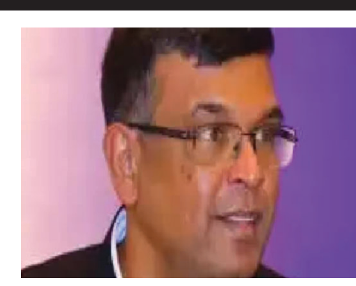

भारत ने जी-20 की भ्रष्टाचार-रोधी कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) की बैठक में भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता सुनिश्चित करने और वैश्विक स्तर पर इससे निपटने के लिए एकीकृत कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने कहा है कि भारत की जी-20 अध्यक्षता अभूतपूर्व आर्थिक, भू-राजनीतिक और जलवायु संबंधी चुनौतियों के बीच हो रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि वैश्विक स्तर पर निराशाजनक आर्थिक परिदृश्य के बीच आईएमएफ और अन्य विश्व एजेंसियों ने भारत को एक संभावनाशील स्थान बताया है और भारत महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी सही भूमिका निभाएगा।

भ्रष्टाचार-रोधी कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) की बैठक हरियाणा के गुरुग्राम में 1 से 3 मार्च, 2023 तक आयोजित हो रही है, जिसमें जी-20 देशों के प्रतिनिधि अपने-अपने मुल्कों के विचार रखेंगे। जहां तक भारत का सवाल है, तो भारत की अध्यक्षता का मकसद भ्रष्टाचार और आर्थिक अपराधों के खिलाफ कार्रवाई व चोरी की संपत्ति की वसूली के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है। वर्ष 2010 में गठित जी-20 का भ्रष्टाचार विरोधी कार्यसमूह (एसीडब्ल्यूजी) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में पारदर्शिता, क्षमता निर्माण, रणनीतियों के विकास व क्रियान्वयन पर ध्यान देता है। जहां तक अपने देश में भ्रष्टाचार से लड़ाई और उसके ढांचे का सवाल है, तो स्वतंत्रता मिलने के बाद भ्रष्टाचार उन्मूलन के उपायों ने देश में खासा महत्व अर्जित कर लिया है। वर्ष 1957 में एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी में हुई वित्तीय अनियमितता ने संसद में व्यापक बहस छेड़ दी थी। तब गठित हुई संथानम समिति ने पाया कि भ्रष्टाचार के प्रमुख कारण हैं- प्रशासनिक देरी, सरकार द्वारा विनियमन की अपनी क्षमता से अधिक भार अपने ऊपर लेना, सरकारी सेवकों की विभिन्न श्रेणियों में निहित शक्तियों के प्रयोग में व्यक्तिगत विवेकाधिकार की गुंजाइश और नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों को निपटाने की बोझिल प्रक्रिया। उस समिति ने ही केंद्रीय सतर्कता आयोग नाम की संस्था के गठन की सिफारिश की थी।

सरकार ने 11 फरवरी, 1964 को केंद्रीय सतर्कता आयोग का गठन किया था। सतर्कता संबंधी प्रभावी प्रशासनिक तंत्र स्थापित करने की दिशा में यह पहला बड़ा कदम था। केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 के जरिये इसे वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक संघीय सांविधानिक संरचना मौजूद है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों, कार्यों और अधिकारों का एक सुपरिभाषित विभाजन है। लोकायुक्त, राज्य सतर्कता आयोग, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राज्य सरकार की वैसी एजेंसियां हैं, जो भ्रष्टाचार से निपटने के कार्य में जुटी हैं। केंद्र सरकार के स्तर पर, केंद्रीय सतर्कता आयोग के अलावा, केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और लोकपाल इत्यादि अधिकृत एजेंसियां हैं। वैसे, भ्रष्टाचार का मुकाबला सिर्फ कानून बनाने और संस्थानों के निर्माण से नहीं हो सकता, लोगों की नैतिकता भी जरूरी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नागरिकों के समर्थन, भागीदारी और सभी संबंधित पक्षों की सक्रिय सतर्कता के बिना नहीं जीती जा सकती। इसलिए सुशासन एवं विश्वसनीयता को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के लिए जन-भागीदारी आवश्यक है।

प्रभावी जन-भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आयोग ने शिकायत प्रबंधन प्रणाली और एक अलग व्हिसल ब्लोअर तंत्र विकसित किया है, जिसका उपयोग आम नागरिक शिकायत दर्ज कराने के लिए कर सकते हैं। ये शिकायतें https://portal.cvc.gov.in के जरिये दर्ज कराई जा सकती हैं या लिखित पत्राचार से भेजी जा सकती हैं। आयोग नागरिकों को सत्यनिष्ठा की शपथ लेने को प्रोत्साहन देता है। इस ऑनलाइन उपलब्ध शपथ को https://pledge.cvc.nic.in पर देखा जा सकता है। सत्यनिष्ठा की शपथ लेकर नागरिक जीवन के सभी क्षेत्रों में हम ईमानदारी और विश्वसनीयता के उच्चतम मानक बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हो सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैश्विक प्रतिद्वंद्विता से सुलगता रूस-यूक्रेन युद्ध

जी. पार्थसारथी

पूर्व रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के अयोग्य और भ्रमित नेतृत्व के चलते 26 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ का विघटन हो गया। रूस के घटक रहे 16 सोवियत गणतंत्र पूर्ण स्वतंत्रता पाकर अलग हो गए। इस टूटन का रोचक पहलू यह रहा कि लगभग सभी पूर्व घटकों में बड़ी संख्या में बसे रूसी मूल के लोग इस अलहदगी के बाद भी अपनी जगह बने रहे। आज भी हजारों रूसी उन इलाकों में रह रहे हैं और वहां पर ज्यादातर रूसी बोली जाती है। पूर्व सोवियत संघ से जुड़े इन गणराज्यों के अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ आपसी संबंध और प्रगाढ़ होते गए तो रूस के साथ भी रिश्ते मधुर बने रहे। रोचक यह भी है कि मुस्लिम बहुल पूर्व सोवियत घटक गणराज्य जैसे कि कजाखस्तान, किर्गीज़स्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान इत्यादि आज शंघाई संगठन के सदस्य हैं, तो अज़रबैज़ान वार्ता-सहयोगी देश है। मध्य एशिया में रूस के साथ इनके ऐतिहासिक संबंध काफी महत्व रखते हैं। रूस के पश्चिमी दिशा के पड़ोसी देशों के लिए समृद्ध पश्चिमी देश जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और फिनलैंड के साथ सहयोग करके ज्यादा फायदा हुआ है।

रूस के लिए, पूर्व सोवियत संघ से घटक रहे पूरबी यूरोपियन गणतंत्र यदि फ्रांस और जर्मनी समेत अपने पश्चिमी यूरोपियन पड़ोसियों से निकट संबंध बनाते हैं, तो इस पर आपत्ति करने की कोई वजह नहीं थी। लेकिन चिंतित होना तब स्वाभाविक बन गया जब एकदम सटे देश अमेरिका और नाटो संगठन से सैन्य गठबंधन करने लगे। नाटो में अमेरिका की भूमिका का मुख्य निशाना रूस की घेराबंदी और उसे सीमित करना माना जाता है। हर कोई जानता है है कि यूरोप में बने हालिया तनाव का पूरा तानाबाना तब बना जब यूक्रेन के युवा किंतु अपेक्षाकृत कम अनुभवी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अचानक पींगें बढ़ाने लगे। पिछले कुछ सालों से यूक्रेन ने अमेरिका के साथ निकट सैन्य रिश्ते बनाए हैं। नतीजतन, यूक्रेन को परिष्कृत हथियार मिले हैं जिसके बूते पर वह रूस के थलीय एवं जलीय सुरक्षा हितों को सैन्य चुनौती देने लायक खुद को समझने लगा। वह अपने दक्षिणी तटों पर संपूर्ण इलाकाई सार्वभौमिकता बनाने वाली महत्वाकांक्षा पूरी करना चाहता है।

रूस और यूक्रेन के बीच मुख्य इलाकाई विवाद क्रीमिया प्रायद्वीप को लेकर जारी है। क्रीमिया पर रूस के काला सागर नौसेना बेड़े का नियंत्रण 1783 से कायम है। दो शताब्दियों से अधिक समय से यह इलाका रिवायती तौर पर यूक्रेन की सार्वभौमिकता के तहत न होकर रूस के अंतर्गत रहा है। बेशक रूस चाहता है कि ओडेस्सा बंदरगाह तक भी उसकी पहुंच पहले जैसी निर्बाध बनी रहती, परंतु वह इस प्रयास में सफल नहीं रहा। यदि काला सागर के तट का इस्तेमाल दोनों मुल्क मिलकर करें तो यह ज्यादा समझदारी होती, क्योंकि दोनों के नौवहनीय व्यापारिक हित एक समान जुड़े हुए हैं। यह बात रूस और यूक्रेन से पश्चिम एशिया और अफ्रीका को गेहूं के निर्यात पर खासतौर पर लागू है। लंबे समय से ओडेस्सा बंदरगाह से होकर भारत का व्यापारिक लेन-देन इन दोनों मुल्कों से होता आया है। जाहिर है किसी भी शांति हल को यह हकीकत जहन में रखनी होगी कि रूस किसी भी हालत में क्रीमिया से जुड़े अपने हितों से समझौता नहीं करने वाला। काला सागर के ओडेस्सा बंदरगाह तक अपनी ऐतिहासिक पहुंच को बरकरार रखना रूस का नैसर्गिक हित है।

युवा और अनुभवहीन वोल्दोमीर जेलेंस्की के 20 मई, 2019 को यूक्रेन का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद से रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बनने लगा क्योंकि जेलेंस्की को लगता था वे बाइडेन प्रशासन से नजदीकी बनाकर रूसी प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं। 2021 में अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने राष्ट्रपति बाइडेन के साथ संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जो स्पष्टत: सख्त रूस विरोधी प्रावधानों से युक्त था। इसमें कहा गया 'रूस की आक्रामकता के मद्देनजर, यूक्रेन की सार्वभौमिकता, स्वतंत्रता और इलाकाई अखण्डता बनाए रखने के प्रति अगाध प्रतिबद्धता प्रकट करते हैं, इसका दायरा क्रीमिया सहित अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सीमाओं के अंदर पड़ते इलाके के अलावा अंतर्राष्ट्रीय जलीय सीमा तक है।' स्पष्टत: इस समझौते का मकसद क्रीमिया तक रूस की निर्बाध पहुंच को चोट पहुंचाने वाली यूक्रेनी कार्रवाइयों को शह देना है। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने यूक्रेन को परिष्कृत सैन्य हथियार और उपकरण दिए।

राष्ट्रपति पुतिन ने फरवरी, 2022 में अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन पर चढ़ाई करने के आदेश दिए, जिसका साफ उद्देश्य था लुहान्सक और दोनेस्तक शहरों को कब्जा कर उन्हें बतौर स्वतंत्र राज्य स्थापित करना। यह करके उन्होंने रूस का नियंत्रण उन इलाकों पर बनवाना चाहा जहां बड़ी संख्या में रूसी मूल के लोग बसे हैं। अनुमान है कि यूक्रेन की कुल 4.33 करोड़ आबादी में लगभग 77 लाख रूसी मूल के लोग हैं। यूक्रेन के छह दक्षिणी इलाकों में, जहां से होकर रूस के काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंच मार्ग गुजरते हैं, वहां ज्यादातर आबादी रूसियों की हैं। रूस का काला सागर नौसेना बेड़ा वर्ष 1783 में क्रीमिया प्रायद्वीप में स्थापित हुआ था। यह इलाका पुराने वक्त से ही रूस का काला सागर, अजोव सागर और भूमध्य सागर तक आवाजाही का द्वार रहा है।

बाइडेन-जेलेंस्की घोषणापत्र के बाद यूक्रेन को भारी मात्रा में अमेरिकी एवं नाटो सैन्य सामग्री मिलने और अपने सागरीय पहुंच मार्गों को खतरे में पड़ते देख रूस ने उस पर चढ़ाई कर दी, जो कि अनियोजित प्रतिक्रम अधिक है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

पुरखौती मुक्तांगन में नई साज-सज्जा के साथ बढ़ायी जाएगी सुविधाएं

- संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने अधिकारियों को दिए निर्देश
- कलाकारों के ग्रेडेशन करने और प्रोत्साहन राशि बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाए
- संस्कृति मंत्री ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुरखौती मुक्तांगन में नई साज-सज्जा कर इसे भव्य और आकर्षक बनाया जाएगा। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने आज विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कहा कि पुरखौती मुक्तांगन में पर्यटक सुविधाएं बढ़ायी जाए। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटक एवं सैलानियों को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए।

संस्कृति मंत्री श्री भगत ने कहा कि पुरखौती मुक्तांगन में आने के लिए पर्यटकों को ऑनलॉइन टिकिट की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा टिकिट काउन्टर की संख्या बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

पुरखौती मुक्तांगन में नई साज-सज्जा की जाए। यहां प्रवेश द्वारा को और अधिक भव्य और आकर्षक बनाया जाए। यहां पार्किंग-स्पेस को भी बढ़ाया जाए।

चिन्हारी योजना की समीक्षा में उन्होंने अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कलाकारों का पंजीयन, वरिष्ठता व राष्ट्रीय स्तर पर दिए गए कार्यक्रमों के आधार पर उनका ग्रेडेशन करने और कलाकारों की प्रोत्साहन राशि बढ़ाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कलाकारों के पंजीयन, चिकित्सा सुविधा, पेंशन संबंधी प्रकरणों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

संस्कृति मंत्री श्री भगत ने बैठक में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परम्परा के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए पर्यटन केन्द्रों तथा सूचना केन्दों में आदिम कला संस्कृति व राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की ब्रोशर, पोस्टर लगाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री भगत ने गढ़ कलेवा की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के 33 जिलों में से 16 जिलों में गढ़ कलेवा का संचालन किया जा रहा है। शेष जिलों में भी इस वर्ष गढ़ कलेवा का संचालन शुरू हो जाएगा। इस मौके पर संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सचिव अन्बलगन पी., संचालक विवेक आचार्य सहित अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

उडऩदस्ता दलों ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा में नकल को रोकने तथा परीक्षा निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए उडऩदस्ता दल का गठन किया गया है। जिला स्तरीय उडऩदस्ता दल ने 1 मार्च को आयोजित हायर सेकेण्डरी परीक्षा की जांच के लिए परीक्षा केन्द्रों में आकस्मिक दबिश दी। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तिलई, उपरवाह, परसबोड, स्टेशन मुढ़ीपार का निरीक्षण किया गया। सहायक जिला परियोजना समन्वयक सतीश ब्यौहारे एवं गठित उडऩदस्ता दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टेड़ेसरा, स्टेशन मुढ़ीपार तथा अन्य परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। सहायक संचालक आदिम जाति विभाग सुदीक्षा गुप्ता एवं गठित दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तुमड़ीबोड, कोहका, तिलईरवार, टप्पा, चिचोला, छुरिया सेजेश का निरीक्षण किया गया। जिले में हायर सेकेण्डरी परीक्षा के लिए दर्ज कुल 21 हजार 86 में से 20 हजार 730 बच्चे उपस्थित थे। जिसमें अनुपस्थित बच्चों की संख्या 356 रही। निरीक्षण में किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं पाया गया।

15 तक मिशन परिवार विकास पखवाड़ा का होगा आयोजन

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के दिशा-निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. मधुलिका सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में परिवार कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत मिशन परिवार विकास तहत जिले में सकल प्रजनन दर कम करने हेतु भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार 1 से 15 मार्च 2023 तक मिशन परिवार विकास पखवाड़ा आयोजित किया जाना हैं। मिशन परिवार विकास पखवाड़ा के दौरान जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा जैसा ही गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसमें दंपत्ति संपर्क पखवाड़ा-01 से 07 मार्च तक एवं सेवाप्रदायगी-7 से 15 मार्च तक आयोजित होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर ने आज मिशन परिवार विकास पखवाड़ा रथ को हरी झंडी दिखाकर प्रत्येक विकासखंड के लिये रवाना किया। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.टी.जी.कुलवेदी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.भानु पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सु रंजना पैकरा एवं मती उमा महंत उपस्थित रहे।

हेल्पलाईन में समस्या समाधान के लिए अब तक 849 फोन कॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव प्रो. व्ही.के. गोयल के आदेशानुसार हेल्पलाईन के टोल फ्री नंबर 18002334363 पर प्रात: 10.30 बजे शाम 5.30 बजे तक निरंतर विद्यार्थियों, पालकों और शिक्षकों द्वारा अपनी समस्याएं बताई जा रही हैं, जिसका मंडल द्वारा त्वरित समाधान किया जा रहा है।

हेल्पलाईन पर परीक्षा से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 21 फरवरी से 01 मार्च तक 849 फोन कॉल आए। हेल्पलाईन का संचालन शासकीय अवकाश और रविवार को छोड़कर किया जा रहा है।

हेल्पलाईन के टोल फ्री नंबर पर परीक्षार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रश्न परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा शुरू होने

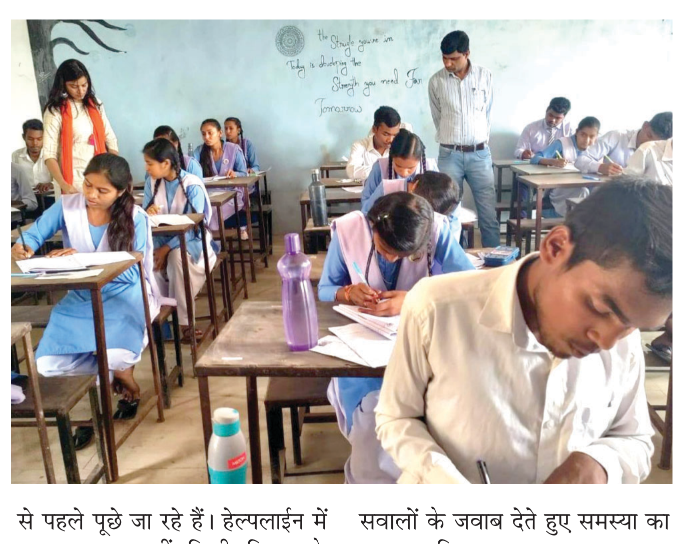

से पहले पूछे जा रहे हैं। हेल्पलाईन में आज कक्षा 10वीं हिन्दी विषय के लिए प्रथम पाली में श्रीमती पुष्पा वर्मा, डॉ. लीली साहू और द्वितीय पाली में श्रीमती रागिनी अवस्थी, श्रीमती मंजू सिंह विषय-विशेषज्ञ द्वारा संबंधित सवालों के जवाब देते हुए समस्या का समाधान किया गया।

साथ ही मंडल के उप सचिव जे.के. अग्रवाल, नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार साहू, सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रीति शुक्ला, श्रीमती अलका दानी के सहयोग से विद्यार्थियों द्वारा रखी गई समस्याओं का समाधान किया गया।

हायर सेकेण्डरी परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा एक मार्च को आयोजित हायर सेकेण्डरी परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तरपोंगी, मां बंजारी गुरूकूल विद्यालय रावांभाठा रायपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरना एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टंडवा का निरीक्षण मंडल के उप सचिव जे.के. अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक प्रदीप कुमार साहू एवं श्रीमती मनीषी सिंह और सहायक सचिव आर.के. सोंधिया द्वारा किया गया। परीक्षा शांति पूर्वक संपन्न हुई।

महापौर ने किया शिशु सरंक्षण माह का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। महापौर राज किशोर प्रसाद ने आज जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मास्टर अंश को महापौर प्रसाद एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केसरी ने विटामिन ए की दवा पिलाई। शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन रानी धनराज कुंवर देवी प्रा.स्वा.केन्द्र कोरबा में किया गया। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना किया तथा लोगों से अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को टीकाकरण केन्द्रों (आगंनबाडी) ले जा कर विटामिन ए की दवा तथा आयरन फोलिक एसिड की दवा पिलाने की अपील की।

साथ ही आस-पास के लोगों को भी अपने बच्चों को दवा पिलाने के लिए प्रेरित किया। सीएमएचओ डॉ. केसरी ने बताया कि शिशु सरंक्षण माह शिशुओं के स्वास्थ्य तथा पोषण की बेहतर देखभाल के लिए प्रतिवर्ष 6 माह के अंतराल पर आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 28 फरवरी से 31 मार्च तक प्रत्येक मगंलवार और शुक्रवार को शहरी और ग्रामीण टीकाकरण केन्द्रों में 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को विटामिन ए की दवा तथा 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की सीरप वितरण किया जा रहा है।

इस वर्ष जिले में 6 माह से 5 वर्ष के एक लाख 24 हजार 584 बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की दवा तथा 9 माह से 5 वर्ष के एक लाख 17 हजार 662 बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों को बिमारी से बचाने टीकाकरण भी किया जाएगा।

उन्होंने आयरन तथा विटामिन ए की कमी से होने वाली बिमारियों के संबंध में विस्तार से बताया। इस अवसर पर डॉ. दीपक सिंह राज खण्ड चिकित्सा अधिकारी, लाभार्थी बच्चे,उनके परिजन तथा अधिक संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

वर्गीकरण एवं गोसवारा का कार्य एक सप्ताह में करें पूर्ण-संभागायुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। संभागायुक्त डॉ.संजय अलंग आज रायगढ़ जिले के दो दिवसीय दौरे पर है, इस दौरान उन्होंने पुसौर एवं रायगढ़ तहसील कार्यालय निरीक्षण के साथ ही राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। तत्पश्चात संभागायुक्त डॉ.अलंग सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कार्यालय, रायगढ़ के निरीक्षण में पहुंचे। इस मौके पर कलेक्टर सिन्हा एवं जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे। संभागायुक्त डॉ.संजय अलंग वन अधिकार शाखा, योजना अनुदान, देवगुड़ी, कैश, स्टॉक पंजी, छात्रावास, छात्रवृत्ति, स्थापना एवं सर्विस बुक शाखा का निरीक्षण किया। उन्होंने वन अधिकार पत्र की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। सहायक आयुक्त आदिवासी अविनाश वास ने कहा कि तैयार किए गए वन अधिकार पत्र वितरित किए जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने योजना अनुदान शाखा के पंजी आडिट के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी को वर्गीकरण एवं गोसवारा बनाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि वर्गीकरण का कार्य एक सप्ताह में किया जाए। इससे विभाग को विभिन्न मदों की प्राप्त राशि की व्यय संकलन में आसानी होगी। इनके साथ ही उन्होंने छात्रवृत्ति एवं जवाहर उत्कर्ष योजना की जानकारी ली। छात्रवृत्ति शाखा प्रभारी द्वारा बताया गया कि ऑनलाइन, ऑफलाइन दोनों माध्यमों से छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने जवाहर उत्कर्ष योजना के संबंध में जानकारी देते हुए लाभान्वित बच्चों की सूची प्रदान की।

प्राकृतिक रंगों से रंगेगी होली: महिलाएं पलाश, गुलाब गेंदा के फूलों से कर रहीं हैं हर्बल गुलाल का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। होली के उल्लास भरे पर्व पर बिहान की स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गये हर्बल गुलाल की छटा बिखरेगी। जिले के रामचन्द्रपुर विकासखण्ड के ग्राम चिनिया में होली के पर्व को ध्यान में रखते हुए स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने हर्बल रंग से मनाये जाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक ओर जहां बाजार में रासायनिक रंग-गुलाल उपलब्ध हैं, वहीं सी-मार्ट में समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित इको फ्रेंडली हर्बल गुलाल की बिक्री की जा रही है। चिनिया गौठान में

गायत्री महिला स्व-सहायता समूह द्वारा हर्बल गुलाल का निर्माण किया जा रहा है। समूह की महिलाएं कृत्रिम रंगों से इतर होली का त्यौहार प्राकृतिक रंगों से ही मनाने की बात कह रही हैं। प्राकृतिक रूप से निर्मित हर्बल गुलाल में किसी भी प्रकार के रासायनिक केमिकल का उपयोग नहीं किया गया है। समूह की महिलाओं को बिहान के द्वारा हर्बल गुलाल बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है, इसके साथ ही शुरुआती चरण में उन्हें हर्बल गुलाल बनाने हेतु आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। महिलाओं द्वारा चुकंदर, पालक, लाल भाजी, फूलों जैसे-पलाश, गुलाब, गेंदा से हर्बल रंग तैयार किया जा रहा है। वहीं गायत्री स्व-सहायता समूह महिलाओं ने अब तक 01 क्विंटल से अधिक हर्बल गुलाल का निर्माण कर चुकी हैं, महिलाओं को हर्बल गुलाल की बिक्री हेतु समुचित बाजार दिलाने का कार्य जिला प्रशासन के द्वारा किया गया है, और सी-मार्ट के माध्यम से हर्बल गुलाल का विक्रय किया जा रहा है, जिससे समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ हो रहा है।

रीपा में उद्यमी बन रहीं बस्तर की महिलाएं...

महिलाएं कोकून से रेशम धागा तैयार कर अर्जित कर रही हैं अच्छी आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए शुरू की गई रीपा यानी कि रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में महिलाओं को अच्छा एक्सपोजर मिल रहा है। उन्हें यहां कई तरीके की आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा गया है। बस्तर जिले की महिलाएं भी सफल उद्यमी होने का गुर सीख रही हैं।

उल्लेखनीय है कि बस्तर के तुरेनार में बना यह पूरे देश का पहला ग्रामीण औद्योगिक पार्क है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पहले चरण में प्रदेश के सभी विकासखण्डों में दो-दो ग्रामीण औद्योगिक पार्क तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें तुरेनार में प्रदेश का सबसे पहला रीपा बनकर तैयार हो

गया है, जो प्रदेश का सबसे बड़ा रीपा भी है।

बस्तर के तुरेनार में 5 एकड़ में ग्रामीण औद्योगिक पार्क 'रीपा' की स्थापना की गई है। जहां महिलाएं सफल उद्यमी बनने की राह पर निकल पड़ी हैं। वहां रेशम धागाकरण समिति की महिलाओं ने कोकून से रेशम धागा तैयार करने का काम शुरू किया है। ये महिलाएं घर का काम-काज निपटाकर रीपा आती हैं और धागा बनाने के काम में जुट जाती हैं। इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए धागा को ग्रामोद्योग विभाग द्वारा खरीद लिया जाता है। इससे महिलाओं को घर के खर्चों के लिए अतिरिक्त आमदनी मिल रही है। इन महिलाओं ने बताया कि रेशन धागा तैयार करने से उन्होंने अब तक 40 हजार 243 रुपए की कमाई की है। इन महिलाओं ने 17 किलो 540 ग्राम रेशम धागा 2300 रुपए किलो की दर से बेचा है, इसके साथ ही बुनियादी धागा 6000 रुपए की दर से तय किया गया। अपनी पहली कमाई से महिलाएं काफी खुश नजर हैं और दोगुने उत्साह से काम कर रही हैं। इस सेंटर में काम करने वाली गायत्री कहती हैं कि उन्हें रीपा में काम करके अच्छा लग रहा है। उन्हें कुछ नया करने का मौका मिला ये अच्छी बात है। गांव में ही काम मिल रहा है।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

जैन बेटियों की आडम्बर रहित शादियों का पूरा खर्च उठाएगा जैन संवेदना ट्रस्ट

रायपुर (ए)। धार्मिक, सामाजिक व पारिवारिक कार्यक्रमों में बढ़ते आडंबर दिखावे की प्रवृत्ति को कम करने के व मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत के दृष्टिकोण से जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा साधर्मिक सुकन्या विवाह योजना जारी की गई है।

महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि जिसमें साधर्मिक कन्या के विवाह का सम्पूर्ण खर्च ट्रस्ट द्वारा किया जावेगा। कोचर व चोपड़ा ने आगे कहा कि धार्मिक, सामाजिक व पारिवारिक कार्यक्रमों में सम्पन्नता दिखाने की होड़ सी लगी हुई है, धन का अपव्यय, दिखवा, एक ने ऐसा किया तो कुछ नया करने की प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है। जीवन में विवाह प्रसंग का अपना महत्व है, लेकिन वर्तमान समय में उसमें दिखावे की स्पर्धा हो रही है। भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों के मार्ग में चलने वाला जैन समाज भी इस स्पर्धा से अछूता नही है। समाज में दिखावे की स्पर्धा में मध्यम व कमजोर वर्ग इसका दंश झेलता है विचारशील समाज में जैन संवेदना ट्रस्ट ने सम्पूर्ण जैन समाज के लिए साधर्मिक कन्या परिणय उत्सव योजना प्रस्तुत की है। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने आगे बताया कि सादगीपूर्ण विवाह उत्सव हमारा लक्ष्य है। सम्पन्न वर्ग भी इसमें भाग लेकर मिशाल पेश कर सकता है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्तिः बैंक खाते से आधार सीडिंग के लिए अंतिम तिथि 5 मार्च तक

रायपुर। आदिवासी विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कालेज स्तर) का संचालन विभागीय पोर्टल https://post-matric-scholarship.cg.nic.in के माध्यम से किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 मे रायपुर जिले में अनुसूचित जाति के 6344 एवं अनुसूचित जनजाति के 3321 छात्र-छात्राओं का स्वीकृति उपरांत अनुसूचित जाति के 1032 एवं अनुसूचित जनजाति के 547 छात्र-छात्राओं का बैंक खाता आधार नम्बर से सीडींग नहीं होने के कारण छात्रवृत्ति राशि वितरण करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे छात्र-छात्राएं बैंक खाता नम्बर को आधार सीडींग 5 मार्च तक अनिवार्य रूप से करा लें। निर्धारित समय-सीमा में बैंक खाता नम्बर आधार सीडींग नहीं होने पर छात्र-छात्रा को छात्रवृत्ति से वंचित होना पड़ सकता है। संस्था प्रमुख एवं छात्र-छात्रा अनिवार्य रूप से बैंक खाता में आधार सीडिंग कराए।

अमृत मिशन योजनाः पाइप क्रॉस करने के कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ.सर्वेश्वर भुरे, रायपुर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, रायपुर रेल्वे डीआरएम संजीव कुमार सहित नगर निगम और रेल्वे के संबंधित अधिकारियों ने आज चंदनीडीह में रेल्वे लाईन के नीचे क्रॉस होने वाले दो सीवर पाइप लाइन का निरीक्षण किया। अमृत मिशन योजना के तहत इस पाइप लाइन के माध्यम से चिंगरी नाला, गोवर्धन नाला और रायपुरा नाला के आसपास क्षेत्रों के पानी को चंदनीडीह एसटीपी में मिलाया जाएगा। इसको मिलाने हेतू रेल्वे ट्रैक के नीचे पाइप पुशिंग का काम चल रहा है। जिससे रेलवे का कौशन जारी है। निरीक्षण के बाद कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पाइप क्रॉस करने के कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने रायपुर के जोन -7 में नवनिर्मित सी-मार्ट का किया अवलोकन

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने बुधवार को निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी के साथ नगर निगम के जोन क्रमांक 7 में बने सी-मार्ट का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान उन्होंने कहा कि सी-मार्ट में महिला स्व-सहायता समूहों तथा गौठानो में निर्मित उत्पादों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिससे लोगो को सस्ती दरों पर प्रकृति अनुकूल उत्पाद मिल सकें। गौठानो में निर्मित ज्यादा से ज्यादा उत्पाद उपलब्ध कराने से महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

आकांक्षी जिलों में अब 14 से 18 वर्ष की बालिकाओं को मिलेगी स्वास्थ्य शिक्षा और पूरक पोषण आहारः अनिला भेंड़िया

पोषण, स्वास्थ और महिला अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 10 आकांक्षी जिलों में बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और उन्हें पूरक-पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जल्द ही पहल की जाएगी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को राज्य के सभी जिलों में विस्तारित करने की भी योजना है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने आज यहां अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित महिला सुरक्षा एवं पोषण जागरूकता कार्यशाला को सम्बोधित कर रहीं थी। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों में अब 14 से 18 वर्ष की बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की जानकारी के साथ-साथ इन बालिकाओं को पूरक पोषण आहार भी दिया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में महिला सुरक्षा और पोषण जागरूकता विषय पर आयोजित कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण और उनके सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है और इसे और अधिक गति देने के प्रति राज्य सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में महिलाओं को आत्मरक्षा के तरीके सिखाए गए हैं, जिसे सभी महिलाओं को

सिखाएं। महिला दिवस सिर्फ एक दिन न होकर हर दिन हो। परेशानी होने पर महिलाएं विभाग द्वारा सभी जिलों में संचालित सखी सेंटर में जा सकती हैं। श्रीमती भेंड़िया ने अनुरोध किया कि राजधानी के बीटीआई ग्राउंड में आयोजित महिला मंड़ई में जाकर छत्तीसगढ़ की महिला समूह और उद्यमियों का सभी उत्साह और हौसला बढ़ाएं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री आनिला भेड़िया ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर संसदीय सचिव रश्मि सिंह, संजारी बालोद विधायक संगीता सिन्हा, धरसींवा विधायक अनिता योगेन्द्र शर्मा, पंडरिया विधायक ममता चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की सदस्यगण आशा यादव और पुष्पा पाटले भी उपस्थित थीं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या मिश्रा ने बताया कि इस साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम डिजिट ऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी है। उन्होंने कहा कि हर महिला की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सभी क्षेत्रों में महिलाओं का विकास बढ़ाना विभाग की प्राथमिकता है। महिलाएं स्वयं सिद्धा बनें। हर महिला में सक्षम बनने की क्षमता है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी कलाकार गरिमा दिवाकर घरेलू हिंसा विषय पर नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुति दी। साथ ही पद्मश्री अनुज शर्मा के सुमधुर गीतों पर महिला जनप्रतिनिधि सहित छात्र-छात्राएं भी जमकर थिरके। कराटे एक्सपर्ट हर्षा साहू ने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये। सत्य साई हॉस्पिटल की डॉक्टर श्रुति प्रभु, यूनिसेफ की डॉक्टर अपर्णा देशपांडे और डॉ. महेन्द्र प्रजापति ने किशोरी बालिका एवं स्वास्थ्य और पोषण पर विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही साइबर एक्सपर्ट मोनाली गुहा ने साइबर सुरक्षा के बारे में बताते हुए छात्र छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से हो रहे धोखाधड़ी और अपराध के संबंध में प्रश्न पूछे। कार्यशाला में छात्राओं का रक्त और बीएमआई परीक्षण कर एनीमिया की दवा का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी, यूनिसेफ के प्रतिनिधि और विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवसः महिला सुरक्षा एवं पोषण जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आज महिला सुरक्षा एवं पोषण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री आनिला भेडिया ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस दौरान संसदीय सचिव रश्मि सिंह, संजारी बालोद विधयक संगीता सिन्हा, धरसींवा विधायक अनिता योगेन्द्र शर्मा, पंडरिया विधायक ममता चन्द्राकर,छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की सदस्य आशा यादव भी उपस्थित हैं।

कार्यक्रम में कराटे एक्सपर्ट हर्षा साहू ने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये। सत्य साई हॉस्पिटल की डॉक्टर श्रुति प्रभु और यूनिसेफ की डॉक्टर अपर्णा देशपांडे ने

किशोरी बालिका एवं स्वास्थ्य और पोषण पर विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही साइबर एक्सपर्ट मोनाली गुहा ने साइबर सुरक्षा के बारे में बताते हुए छात्र छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया। साथ ही छात्राओं का रक्त और बी एम आई परीक्षण भी किया जा रहा है।

इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या मिश्रा, कलाकार अनुज शर्मा, विभागीय अधिकारी और विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

परिवहन विभाग की पहलः अब 6 माह के लिए होगा नई गाड़ी का टेम्पररी रजिस्ट्रेशन

टीआर 6 माह के लिए जारी करेंगे गाड़ी विक्रेता अधिकृत डीलर

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा ट्रांसपोर्टर और डीलरों के माँग पर तत्काल कार्यवाही की जा रही है । इसके तहत परिवहन विभाग द्वारा परिवहन सुविधाओं को लगातार ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है । इसी कड़ी में नये ख़रीदे जाने वाले गाड़ी के टेम्परारी रजिस्ट्रेशन आवेदन भी अब गाड़ी खरीदने समय गाड़ी विक्रेता डीलर के द्वारा किया जा सकेगा।

पूर्व में टीआर रजिस्ट्रेशन की वैलिडिटी एक माह की होती थी जिस समय सीमा के अंदर वाहन क्रेता को अन्य ज़िले अथवा अन्य राज्य में जाकर गाड़ी का स्थायी रजिस्ट्रेशन कराना होता था। कई बार इस सीमां में स्थायी रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाता है जिससे की वाहन क्रेता को पेनाल्टी लग जाता है। इस समस्या का समाधान करने परिवहन विभाग ने टेम्परारी रजिस्ट्रेशन की वैधता अब बढ़ाकर 6 माह कर दी है।

क्या होता है टेम्परारी रजिस्ट्रेशन

यदि आप किसी और जिले से नई गाड़ी खरीद रहे है तो आपको डीलर टेम्परारी रजिस्ट्रेशन कर के देता है जिसे अपने जिले के आरटीओ में जमा कर स्थायी रजिस्ट्रेशन नंबर लिया जाना होता है। इसी तरह यदि आप राज्य से नई गाड़ी खरीद कर लाते है या छत्तीसगढ़ से नई गाड़ी खरीद कर किसी और राज्य में ले जाते है तो आपको टेम्परारी रजिस्ट्रेशन करा कर गाड़ी ले जानी होती है।

इसी तरह कमर्शियल गाड़ी क्रेता बस या ट्रक बनाने के लिए कई बार सिर्फ चेसिस खरीदते है और बाद में उसमें बॉडी बनायी जाती है। चेसिस वाली गाड़ी टेम्परारी रजिस्ट्रेशन होता है और बॉडी बनने बाद उनका निरीक्षण कर स्थायी रजिस्ट्रेशन होता है। कई बार चेसिस वाली गाड़ी में बॉडी बनने विलंब हो जाता है ऐसे स्थिति में ट्रांसपोर्टर को पैनल्टी लग जाती है। अब टेम्परारी रजिस्ट्रेशन को वैलिडिटी 6 माह हो जाने से ट्रांसपोर्टर को बड़ी राहत मिलेगी। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन (राडा) के द्वार टीआर की वैलिडिटी बढ़ाने की माँग पिछले की जा रही थी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर तेजी से जारी है सड़कों के डामरीकरण का कार्य

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ में नई सड़कों का निर्माण और अन्य सड़कों की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनहित के लिए सड़कों के डामरीकरण के कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं ताकि जनता को सुगम यातायात की सहूलियत मिल सके।

इसी कड़ी में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लोगों की सुविधा को देखते हुए सड़क डामरीकरण के कार्य का भूमि पूजन विधायक एवं संसदीय सचिव विकास उपाध्याय के द्वारा किया गया। इसमें चांदनी चौक कोटा शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड क्रमांक 23 में 46.36 लाख रूपए

की लागत से तथा पं.ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्र.22 पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रेलवे बुकिंग काउंटर के सामने 46.36 लाख रूपए की लागत से डामरीकरण का कार्य शामिल है।

रायपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक एवं संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा है कि क्षेत्र की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अगुवाई में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं ताकि लोगों को बुनियादी सुविधाओं के साथ ही सुगम यातायात के लिए अच्छी सड़कें मिल सकें।

छत्तीसगढ़ में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने विशेष पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़वा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में ''मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना'' लागू किये जाने की घोषणा उपरान्त छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना की क्रियान्वयन की तैयारी में वन विभाग जुट गया है और तैयारियां जोरो पर है। वन विभाग द्वारा अब तक 16 हजार से अधिक हितग्राहियो के लगभग 30 हजार एकड़ निजी भूमि में वृक्षारोपण हेतु पंजीयन किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में वृक्षों के व्यवसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपार संभानाओं को देखते हुए इस योजना को लागू किए जाने की घोषणा की है। इस योजनांतर्गत कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषकों की सहमति पर उनके भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण किया जाना है।

मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना अंतर्गत किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध शासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थाएं, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा 1 वर्ष में 36 हजार एकड़ तथा 5 वर्षो में 1 लाख 80 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुल 15 करोड़ वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजनांतर्गत राज्य शासन द्वारा 5 एकड़ तक वृक्षारोपण हेतु 100 प्रतिशत अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान देगी। चिन्हित वृक्ष प्रजातियों की खरीदी हेतु न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण भी शासन द्वारा किया जाएगा। 5 वर्षो में रोपित सभी प्रजातियो के वृक्ष परिपक्व होने पर उनका मूल्य 10 हजार करोड़ रुपये होने की सम्भावना है। इस योजना

से किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 15 हजार से 50 हजार तक आय सम्भावित है। इसके अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानों को अतिरिक्त आय होगी।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना अंतर्गत समस्त वर्ग के सभी इच्छुक भूमि स्वामी पात्र होंगे। इसके अलावा शासकीय, अर्धशासकीय तथा शासन के स्वायत्व संस्थान जो अपने स्वयं के भूमि पर रोपण करना चाहते हैं, पात्र होंगे। इसी तरह निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, गैर शासकीय संस्थाएं, पंचायतें, भूमि अनुबंध धारक, जो अपने भूमि में रोपण करना चाहते हैं, वे पात्र होंगे। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। इसके तहत राज्य के सभी कृषकों, शासकीय, गैर शासकीय, अर्धशासकीय, पंचायतें, अथवा स्वायत्व संस्थानों की भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के वृक्षारोपण उपरांत सहयोगी संस्था, निजी कंपनियों के माध्यम से निर्धारित समर्थन मूल्य पर वनोपज के क्रय की व्यवस्था करते हुए एक सुदृढ़ बाजार व्यवस्था आदि सुनिश्चित करना है।

राज्य में इस वर्ष 12 प्रजाति के वृक्षों का 30 हजार एकड़ रकबे में होगा रोपण

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजय शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनांतर्गत राज्य में इस वर्ष 12 प्रकार के प्रजाति के वृक्ष का 30 हजार एकड़ रकबे में रोपण किया जाएगा। इनमें से क्लोनल यूकलिप्टस का 17 हजार 182 एकड़ में, रूटशूट टीक का 6 हजार 456 एकड़ में, टिश्यू कल्चर का 2 हजार 617 एकड़ में, चंदन का 1 हजार 462 एकड़ में, मेलिया दुबिया का 8 सौ 34 एकड़ में, सामान्य बांस का 7 सौ 37 एकड़ में, टिश्यू कल्चर बम्बू का 6 सौ 7 एकड़ में, रक्त चंदन का 1 सौ 26 एकड़ में, आमला का 43 एकड़ में, खमार का 40 एकड़ में, शीशम का 20 एकड़ में तथा महानीम का 20 एकड़ रकबे में लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

डबल चिन की समस्या से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

डबल चिन की समस्या वजन बढ़ने से ठुड्डी के नीचे बढ़ने वाली फैट से होती है। इसे सबमेंटल फैट भी कहा जाता है। इसके अलावा उम्र बढ़ने के कारण त्वचा ढीली हो जाती है, जिससे डबल चिन की समस्या हो सकती है। हालांकि, चेहरे से जुड़े एक्सरसाइज और कुछ उपचार ठुड्डी की सतह में मांसपेशियों को मजबूत और टाइट बनाने में मददगार है। आइए आज डबल चिन से राहत पाने के लिए 5 घरेलू नुस्खे जानते हैं।

गेहूं के तेल से करें मालिश

गेहूं का तेल विटामिन- ई से भरपूर होता है, जो शरीर में कोलेजन को बढ़ाने में मदद करता है। इसकी वजह से त्वचा टाइट होती है। इसके अलावा इस तेल की मालिश से जबड़ों का ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है, जिसकी वजह से ठुड्डी के नीचे की फैट से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। लाभ के लिए रोजाना रात में सोने से पहले तेल की कुछ बूंदें लेकर जबड़े की 10 मिनट तक मालिश करें।

दिन में दो बार पीएं ग्रीन टी

डबल चिन अचानक वजन बढ़ने से भी हो सकती है। ऐसे में इसे कम करने के लिए फिट रहना जरूरी है। इसके लिए कैटेचिन और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर ग्रीन टी काफी मददगार साबित हो सकती है। लाभ के लिए गर्म पानी में ग्रीन टी बैग डालकर 10 मिनट के लिए भिगो दें। अंत में इसमें शहद डालकर पीएं। जल्दी फायदा देखने के लिए इस टी को रोजाना दो बार पीएं और साथ ही वर्कआउट भी करें।

जीभ की एक्सरसाइज करें

जीभ की एक्सरसाइज करने से निचले जबड़े की मांसपेशियां भी शामिल होती हैं, जो चेहरे की मांसपेशियों को सीधा करने में मदद करते हैं। इस कारण फैट कम हो जाता है और एक परफेक्ट जॉ-लाइन का लुक मिलता है। लाभ के लिए जितना हो सकें उतना जीभ को बाहर की ओर फैलाएं। अब जीभ को नाक की तरफ ऊपर की ओर उठाएं और 30 सेकंड तक इसी अवस्था में रहें। इस एक्सरसाइज को रोजाना कम से कम 10 बार करें।

सिंहासन (लायन पोज) का अभ्यास करें

यह योगासन डबल चिन को कम करने में और अच्छी जॉ-लाइन लाने में मददगार है। इससे चेहरे के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है और चेहरे की मांसपेशियों मजबूत भी होती है। सिंहासन के लिए सबसे पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें और फिर घुटनों को खोलते हुए दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें। अब चेहरे की मांसपेशियों पर दबाव डालते हुए जीभ को नीचे की ओर से बाहर निकालें और मुंह खोलकर शेर की तरह दहाड़ लगाएं।

नियमित रूप से च्युइंग गम चबाएं

डबल चिन को कम करने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका नियमित रूप से च्युइंग गम चबाना है। च्युइंग गम चबाने से जबड़े की मांसपेशियां मजबूत होती है और इन्हें टाइट रखने में भी मदद करता है। जब मांसपेशियां टाइट हो जाएंगी तो ठुड्डी अपने आप ऊपर उठ जाती है। इस वजह से गालों की चर्बी कम करने के लिए कम से कम 1 घंटे तक नियमित रूप से शुगर फ्री च्युइंग गम चबाएं।

रानी मुखर्जी की मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे को मिला बेशुमार प्यार

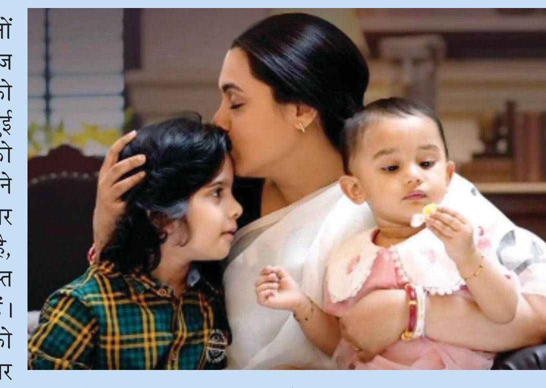

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। 17 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही हैं। इसके लिए अभिनेत्री को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा, जो उन्हें अपने अब तक के करियर के दौरान कभी नहीं मिला था। ऐसे में इस प्यार की वजह से रानी भावुक हो गई हैं।

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के ट्रेलर को मिले शानदार रिस्पॉन्स पर अब रानी ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा, मैं दुनियाभर के प्रशंसकों, सहयोगियों, दोस्तों से मिल रहे प्यार को देखकर बहुक भावुक हूं। यह मेरे फिल्मी करियर में पहली बार हुआ है, जब लोग मेरे काम को इतना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इससे पहले मुझे फिल्म ब्लैक के लिए इस तरह का रिस्पांस लोगों से मिला था।

इसके आगे रानी ने कहा, किसी ट्रेलर को इस तरह की शानदार प्रतिक्रिया मिलना बहुत ही कम होता है और सिर्फ ट्रेलर देखने के बाद लोगों की आंखों में आंसू आ जाए, यह पहले कभी नहीं सुना। वह आगे कहती हैं, कहीं न कहीं लोग एक मां की मजबूरी से जुड़ रहे हैं और उसके साथ हुए अन्याय से नाराज हैं। इस तरह की प्रतिक्रियाएं मैं पहली बार देख रही हूं, जो बहुत अच्छी हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि अगर ट्रेलर लोगों को इस हद तक ले जा सकता है, तो वे निश्चित रूप से फिल्म में देबिका की यात्रा को देखकर प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा, मैं 17 मार्च को थिएटर में फिल्म की रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। इसे हर जगह सभी के प्यार की जरूरत है, इसलिए उम्मीद और प्रार्थना कर रही हूं कि इसे बड़ी संख्या में दर्शक देखने के लिए पहुंचे।

आशिमा छिब्बर के निर्देशन में बनी मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे की कहानी एक सच्ची घटना पर आधारित है। इस फिल्म में एक मां के संघर्ष की कहानी दिखने को मिलेगी, जो नॉर्वे में अपने बच्चों और पति के साथ रहती है, लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि वह अपने बच्चों की खातिर पूरे देश के खिलाफ लड़ाई लड़ती है। फिल्म में रानी के अलावा अनिर्बान भट्टाचार्य, नीना गुप्ता और जिम सरभ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रानी को इससे पहले संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी ब्लैक के लिए भी काफी सराहना मिली थी। 2005 में आई इस फिल्म में वह अमिताभ बच्चन के साथ नजर आई थीं, जिसमें उनका किरदार न देख सकता और न सुन सकता था।

जॉ-लाइन को सही रूप देने में मदद करते हैं ये 5 फेस योगासन, ऐसे करें अभ्यास

परफेक्ट जॉ-लाइन सभी की चाहत होती है और इसके लिए बहुत से लोग घंटों जिम में बिताते हैं, लेकिन इससे भी उन्हें कुछ खास लाभ नहीं मिलता है। हालांकि, जिम में बहुत पसीना बहाए बिना घर पर योग करके भी एक अच्छी जॉ-लाइन प्राप्त की जा सकती है। आइए आज हम आपको ऐसे ही 5 फेस योगासन के बारे में बताते हैं, जो एक परफेक्ट जॉ-लाइन लाने में मदद करने के साथ-साथ त्वचा की देखभाल भी करते हैं।

फिश फेस योग

फिश फेस योग चेहरे की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाएं बिना गाल की मांसपेशियों को स्ट्रेच करने में मदद करता है। इससे त्वचा के टाइट होने के साथ डबल चिन की समस्या भी कम होती है। लाभ के लिए पहले पद्मासन की मुद्रा में बैठें और फिर गाल और होठों अंदर की ओर खींचते हुए मुंह को मछली जैसा आकार दें। इस स्थिति में कुछ सेकंड रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। इसे रोजाना 5 बार जरूर करें।

एयर किस योग

एयर किस योग जबड़े की चर्बी को कम करने और मुंह के आसपास की रेखाओं को हटाने के लिए काफी प्रभावी है। इसके अलावा इससे गर्दन का मोटापा भी कम होता है। सबसे पहले सेल्फी लेते समय जैसे मुंह का पाउट बनाया जाता है, ठीक वैसे ही पाउट बनाएं और फिर ऊपर की तरफ 20 सेकंड के लिए देखें। अब मुंह सामान्य करके मुस्कुराएं और मुंह के चारों ओर मजबूती से दवाब डालें। इसे कम से कम 3-4 बारे करें।

जीभ की एक्सरसाइज

जीभ स्ट्रेच करने वाली एक्सरसाइज से ठुड्डी की नीचे की मांसपेशियों में खिचांव महसूस होता है। इससे जॉ-लाइन को सही रूप मिलता है और चेहरे की चर्बी कम होती है। इस एक्सरसाइज का नियमित अभ्यास करने से चेहरा आकर्षक होता है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए है। इसके लिए गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं और जितना हो सके अपनी जीभ का बाहर की ओर निकालें। करीब 10 सेकंड के बाद सामान्य हो जाएं। ऐसा 4-5 बार करें।

सिंह मुद्रा (लायन पोज)

यह योग चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन ठीक करता है और चेहरे की मांसपेशियों को तनाव से राहत दिलाने में मदद करता है। इससे जॉ-लाइन अच्छी होती है। सबसे पहले सुखासन की स्थिति में बैठ जाएं और फिर दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें और पीठ सीधी रखें। अब अपनी ठुड्डी को छाती के करीब लाते हुए जीभ को नीचे की ओर बाहर निकालें और शेर जैसी आवाज करें। इसे योग को रोजाना 4-5 बार करें।

चिन लॉक

चिन लॉक को जालंधर बंध योग भी कहा जाता है। इसे करने के लिए सबसे पहले पद्मासन की मुद्रा में सीधे बैठ जाएं और फिर हाथों को घुटनों पर रखें। अब गहरी सांस लेकर हल्का सा आगे की ओर झुके और कंधों को ऊपर उठा लें। इसके बाद सिर को सीने की तरफ इस तरह झुकाएं की ठुड्डी गले का स्पर्श करें। कुछ सेकंड इसी स्थिति में सांस रोककर रखें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएं।

'जहानाबाद' ने मुझे अभिनेत्री के रूप में इज्जत दिलाईः हर्षिता गौर

अभिनेत्री हर्षिता गौर 'जहानाबाद-ऑफ लव एंड वॉर' शो को मिल रही प्रतिक्रिया से बहुत खुश हैं। हर्षिता के पहले के शो 'मिजार्पुर' से उन्हें जबरदस्त फैन फॉलोइंग मिली है। अभिनेत्री का मानना है कि जहां 'मिजार्पुर' ने उन्हें अभूतपूर्व सफलता दिलाई, वहीं 'जहानाबाद' ने उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में सम्मान दिलाया।

अभिनेत्री ने बताया, नाम से 'मिजार्पुर' और 'जहानाबाद' एक जैसे लगते हैं, लेकिन इन दोनों शो में मेरे किरदार बिल्कुल अलग हैं। 'मिजार्पुर' ने मुझे बड़े पैमाने पर सफलता दिलाई, लेकिन 'जहानाबाद' से मुझे जिस तरह की सराहना मिली है, उससे मैं खुश हूं। 'जहानाबाद' में मेरे काम के लिए मुझे जो सम्मान मिला है, उसके लिए मैं आभारी हूं।

उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्होंने वेबसीरीज में एक कॉलेज गर्ल के अपने किरदार को निभाया। उन्होंने कहा: मैं अपने कॉलेज के दिनों में वापस गई, मैं अपने कॉलेज के दौरान कैसे व्यवहार करती थी। कॉलेज की छात्रा कैसी होती है — भोली भाली, कमजोर और भावनात्मक। 'जहानाबाद-ऑफ लव एंड वॉर' सोनी लिव पर उपलब्ध है।

सोख अदाएं और कातिलाना खूबसूरती की मूरत बनी नजर आईं रश्मि देसाई

एक्ट्रेस रश्मि देसाई अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। टेलीविजन एक्ट्रेस रश्मि देसाई इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम हैं। रश्मि देसाई सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, एक्ट्रेस के नए फोटोशूट में सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रखा है। रश्मि देसाई ने व्हाइट कलर के क्रॉप टॉप और डेनिम की शॉर्ट्स में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। ओपन हेयर स्टाइल और मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस रश्मि देसाई अपने बालों के साथ इतराती नजर आ रही हैं। सोख अदाओं के साथ एक्ट्रेस रश्मि देसाई बेहद ही स्टनिंग पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। रश्मि देसाई की तस्वीरों को देखकर फैंस ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों पर हार्ट और फायर इमोजी की बौछार कर रहे हैं। रश्मि देसाई के चाहनेवालों को उनका अंदाज पसंद आता है। एथनिक से लेकर वेस्टर्न तक रश्मि हर आउटफिट में गजब ढाहती हैं। एक्ट्रेस रश्मि देसाई इस बोल्ड आउटफिट में बेहद ही कातिलाना नजर आ रही हैं। साथ ही उनकी डीपनेक ड्रेस फैंस को बेताब कर रही हैं। रश्मि देसाई ने अपने करियर की शुरुआत भोजपुरी फिल्मों से की। इसके साथ ही एक्ट्रेस साल 2009 में हिंदी टीवी सीरियल उतरन में मुख्य भूमिका में नजर आ चुकी हैं। रश्मि देसाई टेलीविजन पर अपने अभिनय और किरदार के दम पर घर घर पहचान बनाने में कामयाब रहीं। रश्मि देसाई सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 5.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने आमजनों का बनाया जा रहा आयुष्मान कार्ड

सुकमा। कलेक्टर हरिस एस. द्वारा मंगलवार को आयोजित बैठक में आयुष्मान कार्ड निर्माण संबंधी गतिविधियों पर विस्तार से समीक्षा की गई थी। उन्होंने आम जनों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए फोकस करते हुए संबंधित अधिकारियों को शत प्रतिशत कार्ड पंजीयन करने के निर्देश दिए थे। साथ ही नोडल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए ग्रामों में मुहिम चलाकर की जा रही कार्ड निर्माण कार्य की प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट मांगी गई थी। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में ग्राम कुकानार, चिंगतागुफा, आरगट्टा, गोरली, झापरा, तोंगपाल, ओलेर, दोरनापाल सहित अन्य ग्रामों में मुहिम चलाकर आमजनों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जा रहा है। इस प्रकार विभिन्न ग्रामों में आयोजित शिविर के माध्यम से हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन कर कार्ड प्रदान किया गया। इस योजना के तहत लाभार्थी को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। साथ ही योजना के तहत अस्पतालों में इलाज के दौरान हुए खर्च का वहन सरकार द्वारा किया जाता है। 1 मार्च से 15 मार्च तक मुहिम चलाकर जिले के तीनों विकासखण्ड के 20 ग्राम पंचायत में शिविर के माध्यम से पंजीयन कार्य किया जा रहा है। जिसमें छिन्दगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत लेदा, पेरमारास, गोरली, आलेर, कोकावाड़ा, कुकाकोलेंग, तालनार, तोंगपाल, कोण्टा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत डब्बाकोण्टा, आरगट्टा, एर्राबोर, मराईगुड़ा, नागलगुण्डा, पोलमपल्ली और सुकमा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गादीरास, केरलापाल, मानकापाल, सोनाकुकानार, कुकानार तथा सुकमा शहरी क्षेत्र शामिल है।

भैरमगढ़ ब्लाक के पिनकोंडा के हाट-बाजार में लगा जनसंपर्क विभाग का सूचना शिविर

बीजापुर। जनसंपर्क विभाग बीजापुर द्वारा जिले के विभिन्न ब्लाक मुख्यालय के हाट-बाजारों में राज्य शासन के चार वर्ष की उपलब्धि एवं महत्वपूर्ण योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। जिसमें जिला जनसंपर्क कार्यालय के टीम द्वारा लोगों को योजनाओं से लाभ लेने के लिए प्रेरित कर योजनाओं से जुड़े विभिन्न प्रकार के प्रचार-प्रसार ब्रोसर, पाम्पलेट, मासिक पत्रिका, जनमन का वितरण किया जा रहा है। भैरमगढ़ ब्लाक के हाट-बाजार पिनकोंडा में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सूचना शिविर का लाभ उठाया और शासकीय योजनाओं के प्रति लोगों का उत्साह भी देखने को मिला। पिनकोंडा निवासी मोती राम मंडावी, तालनार निवासी सुशीला पुनेम, संगीता हपका और रोजे कड़ती ने कहा कि एक ही जगह सभी विभाग के योजनाओं की जानकारी मिलना बहुत ही लाभप्रद है। लोग अपनी-अपनी पात्रतानुसार योजनाओं की जानकारी लेकर लाभान्वित हो सकते है। सूचना शिविर से हमें बहुत से योजनाओं की जानकारी मिली है। विदित हो कि छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न जनकल्याणकारी योजना, कर्जमाफी, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन, वन अधिकार पत्र, बिजली बिल हाफ योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी सुगमतापूर्वक ग्रामीणों तक पहुंच रही है।

दुर्ग के विकास की नियमित समीक्षा के लिए गठित होगी नगर विकास समिति

खेलकूद मैदान एवं अन्य अधोसंरचनाओं के लिए निगम को भूमि उपलब्ध कराएंगे कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर की समस्याओं और भावी विकास योजनाओं के संबंध में कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा की अध्यक्षता में चर्चा की गई। बैठक में महापौर धीरज बाकलीवाल ने नागरिकों की समस्याओं को रखा। बाकलीवाल ने जिन प्रमुख विषयों को रखा। इनमें कचरा प्रबंधन के उचित निष्पादन, शहर के निकट के गांवों को नगरीय निकाय में शामिल करने और जनसुविधाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने की बात प्रमुख रही।

इसके साथ ही उन्होंने दुर्ग शहर के विकास के लिए नियमित रूप से जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की जा सके और इन बैठकों में शहर की समस्याओं को तथा विकास को लेकर सुझावों को रखा जाए, इसे लेकर नगर विकास समिति का प्रस्ताव भी रखा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने इस पर सहमति जताई।

उन्होंने कहा कि इससे विभागीय समन्वय में आसानी होगी और तेजी से निर्णय लिये जा सकेंगे। आज हुई बैठक में नगर की समस्याओं पर तथा भावी विकास योजनाओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन द्वारा हर संभव सुविधा दुर्ग के नागरिकों को प्रदान की जाएगी। बैठक में पार्षदों ने भी अपने वार्ड की समस्या के बारे में बताया। बैठक में सभापति श्री राजेश यादव एवं एमआईसी के सदस्य तथा पार्षदगण मौजूद रहे। बैठक में वार्डपार्षदों ने अपने वार्डों की समस्या भी रखी।

कचरे का होगा उचित प्रबंधन

बैठक में पार्षदों ने शहर से निकले कचरे के उचित प्रबंधन की मांग की। इस पर कलेक्टर ने कहा कि इससे संबंधित दिक्कत का निराकरण कर लिया जाएगा। तालाबों की साफसफाई की बात भी बैठक में रखी गई। इसके साथ ही खाली प्लाट में कचरा फेंक दिये जाने की बात भी पार्षदगण ने रखी। इस पर कलेक्टर ने कहा कि खाली प्लाट में साफसफाई रखने की जिम्मेदारी प्लाट मालिक की होगी, यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो उस पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा। महापौर तथा पार्षदों ने कहा कि निगम क्षेत्र में खेल मैदान सहित अन्य अधोसंरचना विकास के लिए जमीन चाहिए। इस पर कलेक्टर ने कहा कि जमीन चिन्हांकित कर इसका प्रस्ताव दे दें, इस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि निगम क्षेत्र में जिन स्कूलों में जीर्णोद्धार की जरूरत है।

वहां स्कूल आरंभ होने के पूर्व मरम्मत का सारा कार्य करा लिया जाएगा। इसके अलावा निगम क्षेत्र में आने वाली जिन सड़कों में संधारण की जरूरत है उसे भी शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा। इंदिरा मार्केट के साथ ही महत्वपूर्ण बाजारों में पार्किंग की समस्या को भी बैठक में महापौर ने रखा और इसके लिए मल्टी लेवल पार्किंग के प्रस्ताव दिये। महाराजा चौक से आजाद चौक जाने वाली सड़क में ट्रैफिक का विषय भी बैठक में आया। इस पर सड़क चौड़ीकरण पर पुनः विचार करने का निर्णय लिया गया।

आसपास के गांव नगरीय निकाय में जोड़ने का सुझाव

महापौर ने बैठक में आसपास के गांवों को भी दुर्ग निगम में शामिल करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इसके चलते इन गांवों में भी तेजी से नगरीय सुविधाओं का विस्तार किया जा सकेगा, साथ ही अधोसंरचना विकास के लिए जमीन भी मिल सकेगी जिसका लाभ भी इस क्षेत्र के रहवासियों को मिलेगा। बैठक में वार्डों में लगाये गये सीसीटीवी के बेहतर उपयोग के संबंध में भी सुझाव आया। इन सीसीटीवी का फूटेज थानों में उपलब्ध कराने और इन्हें थानों से कनेक्ट करने से अपराधों की रोकथाम में मदद मिलने का सुझाव रखा गया। इस पर कलेक्टर ने कहा कि यह अच्छा सुझाव है।

जिला अस्पताल में सुविधाओं को बढ़ाने रखा प्रस्ताव

जिला अस्पताल में एमआरआई मशीन की आवश्यकता के संबंध में भी बात रखी गई। कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में न्यूरो सर्जन, न्यूरो फिजिशयन आदि नियुक्त करने तथा इस संबंध में सारी सुविधाएं उपलब्ध करने के संबंध में प्रशासन द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है।

अवकाश के दिन भी होगा टैक्स जमा

63 लाख वसूली के लिए 21 बकायादारों को अंतिम नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। टैक्स जमा करने में लापरवाही बरतने वालों पर नगर पालिक निगम रिसाली ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश पर 21 बकायादारों को अंतिम नोटिस जारी किया है। बकायादारों से 63 लाख 86 हजार 742 रूपए वसूली करनी है।

जारी हुई पहली सूची में 21 बकायादारों का नाम है, जो लगभग 23 वर्ष से बार-बार नोटिस जारी करने के बाद भी टैक्स जमा करने में रूचि नहीं दिखा रहे है। प्रभारी राजस्व अधिकारी संजय वर्मा ने बताया कि बकायादारों को विधिवत अंतिम नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में टैक्स की राशि जमा करने की हिदायत दी गई है। इसके बाद निगम विधिवत कुर्की कार्यवाही करेगा। नागरिक चालू वित्तीय वर्ष की राशि टंकी कार्यालय श्याम नगर, 35 नंबर स्कूल भवन कार्यालय या फिर ऑनलाइन जमा कर सकते है।

अवकाश के दिन भी खुला रहेगा

प्रभारी राजस्व अधिकारी ने बताया कि रिसाली निगम क्षेत्र के नागरिक शासकीय अवकाश के दिन भी टैक्स राशि जमा कर सकते है। अवकाश के दिन में निगम के अधिकारी टैक्स वसूली करने कार्यालय में उपस्थित रहेंगे।

नाम किया जाएगा सार्वजनिक

रिसाली निगम ऐसे बकायादारों को धारा 174 के तहत नोटिस जारी कर रही है जो लंबे समय से राजस्व जमा नहीं कर रहे है। नोटिस जारी करने के साथ ही निगम बकायादारों की सूची को सार्वजनिक कर रही है। पहली सूची को सार्वजनिक करने के बाद दूसरी सूची तैयार की जा रही है।

बकायादारों की सूची

मैत्रीकुंज रिसाली के मोतीराम बघेल से 14701 रूपए वसूली किया जाना है। इसी तरह मैत्रीनगर रिसाली के अखिलेश यादव से 122212, टंकी मरोदा के मांगरू विश्वकर्मा से 339941, राममूर्ती यादव से 190723, मौहारी भाठा के बिरेन्द्र कुमार यादव अशोक यादव से 437108, रामप्रकाश यादव से 193761, लक्ष्मीनगर के लक्ष्मन पटेल, भीखू मुकेश, दिनेश व मेहूल से 202619, आजाद मार्केट रिसाली के सुरेन्द्र कुमार से 82586, लक्ष्मीनगर के रचना जैन से 345601, मैत्रीनगर के हीरालाल यादव से 559446, अवधपुरी के बालकृष्ण से 152146, सेंटथामस सिनियर स्कूल से 1676210, प्रगतिनगर के नवीन जैन से 294479, इस्पात नगर के जगन्नाथ यादव से 357925, प्रगतिनगर के अणुल रशीद से 287891, शक्ति विहार के कामेश्वर सिंह से 117871, मैत्रीनगर के अर्जुन यादव से 98981 व ढालूराम यादव से 310717 रूपए वसूली करना शेष है।

मोबाईल मेडिकल युनिट में कलेक्टर सहित 160 अधिकारी-कर्मचारियों ने कराई स्वास्थ्य जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आज जिला कलेक्टोरेट परिसर में मोबाईल मेडिकल युनिट के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर श्री राहुल देव सहित 160 अधिकारी-कर्मचारियों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लिया। 74 लोगों का विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजी जांच किया गया तथा 113 लोगों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाई वितरण किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने मोबाईल मेडिकल यूनिट में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में संबंधितों से जानकारी भी ली और नगरीय निकाय के अधिक भीड़-भाड़ वाले इलाकों में शिविर लगाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभांवित करने के निर्देश नगर पालिका सीएमओ को दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। जिसका संचालन सभी नगरीय निकायों में किया जा रहा है। इस योजना के तहत नगरीय निकायों में आमजनों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत मोबाईल मेडिकल यूनिट में ब्लड प्रेशर, शुगर, सीबीसी जैसे लगभग 24 प्रकार की जांच की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही मरीजों को निःशुल्क दवाई भी दी जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अब तक 36 हजार 208 लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। 09 हजार 502 लोगों का विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजी जांच किया गया है। वहीं 30 हजार 576 लोगों को निःशुल्क दवाई उपलब्ध कराया गया है।

15 लाख का लोन चुकाना ही दानीकुंडी स्वसहायता समूह की जीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले के ग्राम दानीकुंडी में वनमंडल मरवाही के सहयोग से महिला स्वसहायता समूह द्वारा विविध सुविधा सह मूल्य संवर्धन केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। इस केन्द्र में आइसक्रीम, ढेंकी चावल, तिल,अलसी,सरसों का तेल का उत्पादन, पैकेजिंग और विक्रय किया जा रहा है। इन उत्पादों का बाजार में अच्छी मांग होने से इनका उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। दानीकुंडी के स्व-सहायता समूह ने अपनी अर्जित आय से लोन का 15 लाख रूपए का भुगतान किया है और यही समूह की सफलता और समृद्धि का ग्राफ है, उनकी जीत है।

विश्व बैंक के पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं का विकास परियोजना से दानीकुंडी के स्व-सहायता समूह के सदस्यों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया है। केन्द्र में सीताफल, आम, जामुन आदि का आइसक्रीम उत्पादन एवं विक्रय किया जा रहा है। इसे 'ट्राइबल डिलाईट' के नाम से रजिस्टर्ड किया गया है। स्व-सहायता समूह ने मशीन आदि के क्रय के लिए लोन लिया हुआ है। इसके अंतर्गत सीताफल से बीज निकालने के लिए 2 लाख रूपए की मशीन, आइसक्रीम निर्माण के लिए 5 लाख रूपए की मशीन और फलों के पल्प का भंडारण के लिए 16 लाख रूपए की मशीन स्थापित की गई है। फ्रीजर एवं भंडारण मशीन के ब्लास्ट फ्रीजर में 1 टन का पल्प और डीप फ्रीजर में 7 टन का पल्प भंडारण किया जा सकता है। इस मशीन में पल्प का संधारण 3 साल तक किया जा सकता है। इस केन्द्र में प्रतिदिन 18 किलोग्राम का आइसक्रीम उत्पादन होता है।

मशीन से धान कुटाई के स्थान पर पुरानी पद्धति लकड़ी से निर्मित ढेंकी से धान की कुटाई करके तैयार की गई ढेंकी चावल का बाजार में अच्छी खासी मांग है। कई किस्मों के धान का उनका ढेंकी चावल का उत्पादन, पैकेजिंग और विक्रय किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 7 महिला सदस्यों द्वारा ढेंकी चावल तैयार किया जा रहा है। इसी तरह तिल, अलसी और सरसों बीज से तेल उत्पादन किया जा रहा है। बाजार में इस तेल की इतनी मांग है कि उत्पादन से पहले डिमांड समूह को मिलते रहते हैं। प्रतिदिन तेल उत्पादन में लगभग 5 महिला सदस्य कार्य करती है।

स्व सहायता समूह की महिलाएं साग-सब्जी फल-फूल से तैयार कर रही हैं हर्बल गुलाल

- कृषि विज्ञान केन्द्र डुमरबहार से महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया गया है
- चेहरे के लिए गुलाल बहुत ही उपयुक्त हैं, शरीर को कोई नुक्सान नहीं
- 12 समूह की 100 महिलाएं तैयार कर रही हैं गुलाल
- सी-मार्ट और कलेक्टोरेट कार्यालय सहित अन्य जगहों पर स्टॉल लगाकर विक्रय किया जा रहा है गुलाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। होली त्यौहार को देखते हुए जिले के गौठान की 12 स्व सहायता समूह की लगभग 100 महिलाए हर्बल गुलाल बना रही हैं। महिलाएं पालक से हरा, लाल भाजी से लाल, हल्दी से पीला, चुकन्दर से कथा गुलाल बना रही हैं। स्थानीय साग-सब्जी और फल-फूल का उपयोग कर रही है।

जिला प्रशासन समूह की महिलाओं को सीजन अनुसार सामग्री बनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित भी करती है। महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र डुमर बहार के माध्यम से गुलाल बनाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है। वर्तमान में कांसाबेल विकासखण्ड के बटईकेला में पार्वती स्व सहायता समूह, कुनकुरी विकासखण्ड दुर्गा स्व सहायता समूह, दुलदुला विकासखण्ड के ज्योति स्व सहायता समूह, पत्थलगांव विकासखण्ड के जीवन सरना स्व सहायता समूह, जशपुर विकासखण्ड के सिनगी स्व सहायता समूह, बगीचा विकासखण्ड के नटकेला के विकास स्व सहायता समूह और राजा रानी स्व सहायता समूह गुलाल तैयार कर रही हैं। महिलाओं द्वारा रासायनिक मुक्त और सुगंधित हर्बल गुलाल बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। महिलाओं द्वारा इस बात का विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि प्राकृति फल, फूल और सब्जियों से हर्बल गुलाल का उपयोग लोग करें।

इसके लिए कृषि विशेषज्ञों की मार्गदर्शन में गुलाल तैयार किए जा रह हैं। समूह की महिलाओं ने बताया की त्वचा के लिए हर्बल गुलाल बहुत ही उपयुक्त है। इससे शरीर को हानि नहीं पहुंचती है। समूह की महिलाओं द्वारा सी-मार्ट में गुलाल का विक्रय किया जा रहा है साथ ही जिला कलेक्टोरेट कार्यालय सहित अन्य स्थानों पर स्टॉल लगाकर विक्रय भी किया जा रहा है।

खास-खबर

हाथ पैर छोड़कर बाइक चला रहा था स्कूली छात्र, वीडियो वायरल और चालान लेकर घर पहुंची पुलिस

भिलाई। बाइक पर स्टंट करने वालों पर दुर्ग पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। ताजा मामले में स्कूली छात्र पर कार्रवाई की गई। दरअसल छात्र स्कूली ड्रेस में बाइक पर सवार होकर स्टंट बाजी कर रहा था। अपना एक पैर बाइक की लेग गार्ड पर रखा और हैंडल भी एक हाथ से पकड़ा हुआ था। रास्ते में चलते किसी ने छात्र की स्टंटबाजी का वीडियो पुलिस के वाट्सएप नंबर पर भेज दिया और इसके बाद शुरू हुआ यातायात विभाग का काम।

यातायात विभाग ने बाइक चालक के नंबर के आधार पर उसका पता जाना और चालान लेकर घर तक पहुंच गई। यातायात पुलिस ने छात्र को परिजनों के सामने उसकी क्लास ली और परिजनों को भी समझाया। छात्र का चालान बनाकर यातयात पुलिस ने फिर से यह संदेश दिया कि ऐसे स्टंट करते पाए जाने पर सबका नंबर आएगा। यही नहीं दुर्ग पुलिस ने एक बार फिर से वॉट्सएप नंबर 9479192099 शेयर किया है ताकि लोग ऐसे स्टंटबाजों के वीडियो भेज सके।

थानेदार की पिस्टल, 24 कारतूस और वर्दी हो गई चोरी

ट्रेन में सोते रह गए टीआई और दो आरक्षक, नींद खुली तो गायब मिला बैग

बिलासपुर (ए)। उत्तरप्रदेश से चोरी की जांच कर लौट रहे टीआई खुद चोरों का शिकार बन गए। चलती ट्रेन से पिस्टल, कारतूस और वर्दी पार कर दिया। वे दो पुलिसकर्मियों के साथ सारनाथ एक्सप्रेस में लौट रहे थे। टीआई की शिकायत पर बिलासपुर जीआरपी ने केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार ओडिशा के बलांगीर जिले के सदर थाना क्षेत्र के ग्राम मुरसीपाथी निवासी शरूबाबू छत्रिया (46) पुलिस विभाग में निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी तैनाती संबलपुर थाने में है। उन्होंने शिकायत की है, वे दो आरक्षक दिलेश्वर प्रधान और मिनकेतन घरुआ के साथ लखीमपुर खीरी गए थे। 28 फरवरी को सारनाथ एक्सप्रेस से वे दोनों लौट रहे थे।

एसी कोच में थे सवार, चोरों ने पार कर दिया बैग

टीआई और आरक्षक ट्रेन के एसी कोच बी-2 में सवार थे। उन्हें 66 नंबर की सीट अलॉट हुआ था। प्रयागराज से बिलासपुर तक उनकी टिकट थी। रात करीब 10.30 बजे उन्होंने खाना खाया और सीट के नीचे बैग में वर्दी, टोपी, 9 एमएम पिस्टल और 14 राउंड कारतूस को डिब्बे को रखा। पिस्टल में 10 राउंड कारतूस लोड था। रात में सभी सो गए। सुबह 5.30 बजे उनकी नींद खुली तो बैग गायब मिला। तब ट्रेन पेंड्रारोड स्टेशन पहुंचने वाली थी।

अनूपपुर और जैतहरी के बीच बैग चोरी

शिकायत के अनुसार उनका बैग अनूपपुर-जैतहरी स्टेशन के बीच ही चोरी हुई है। क्योंकि, इस दौरान काफी रात हो गई थी और उनके साथ ही दोनों पुलिसकर्मी गहरी नींद में थे। माना जा रहा है कि इसी दौरान चोर गिरोह ने उनके बैग को एसी कोच से पार किया होगा।

इस घटना की खबर से सभी जीआरपी थानों में हड़कंप मचा हुआ है। केस डायरी गुरुवार को भेजी जाएगी, लेकिन बिलासपुर से इस घटना की सूचना शहडोल जीआरपी के अलावा अन्य जीआरपी थाने को भी भेजी गई है। सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले गए है। आरपीएफको भी जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने स्तर पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। एक-दो दिनों के भीतर आरोपियों के पकड़े जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

शराबी ने अपनी पत्नी को जलाकर की मारने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नशेड़ी शख्स ने अपनी पत्नी को जलाकर मारने का प्रयास किया। शराब के नशे में पहले तो उसने पत्नी से विवाद किया उसके बाद उसके सारे कपड़े जलाने लगा। पत्नी ने टोका तो उसके पहने कपड़ों में आग लगा दी। घटना में महिला झुलस गई है। उसके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने महिला का बयान लिया और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरूद्ध धारा 307 के तरह अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला जशपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार 28 फरवरी को इस संबंध में शिकायत मिली है। संतोष विश्वकर्मा नाम के शख्स नशे का आदी है और अक्सर शराब के नशे में घर पर अपनी पत्नी से विवाद करता रहता है। 27 फरवरी की रात करीब 8:30 बजे संतोष विश्वकर्मा शराब के नशे में घर पहुंचा और और अपनी पत्नी से मारपीट करने लगा। इसके बाद उसने अपनी पत्नी के सारे कपड़े बाहर निकाले औश्र आग लगाने की कोशिश करने लगा।

महिला ने इसके लिए टोका तो उसने उसी को जला दिया। वह अपनी पत्नी के पहने हुए कपड़े में आग लगा दी जिससे वह बुरी तरह से झुलस गई। बीच-बचाव करने आई महिला की परिचित भी झुलस गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। बुधवार को पुलिस ने संतोष विश्वकर्मा को तपकरा बाधरकोना से गिरफ्तार किया। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक केपी सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज सिंह, आरक्षक विरेन्द्र तेंदुआ, अमित भगत व नारायण सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुकमा में नक्सलियों ने मोबाइल टॉवर लगा रहे मजदूरों को पीटा, वाहन को भी फूंका

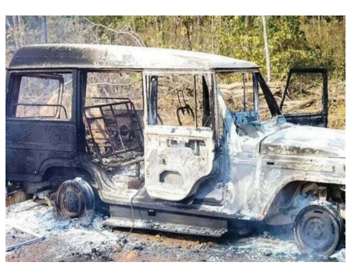

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों ने बुधवार को बड़ी घटना को अंजाम दिया है। नक्सलियों ने यहां दूरसंचार के कार्य में लगे मजदूरों को पिटाई कर दी। यहीं नहीं मोबाइल टॉवर लगाने के काम में लगे वाहन को भी आग के हवाले कर दिया। इससे वाहन पूरी तरह से जल गया है। वहीं पिटाई से घायल मजदूरों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सुकमा के कोंटा थाना क्षेत्र में बंडा के पास दूरसंचार विभाग द्वारा कनेक्टिविटी तेज करने टॉवर लगाया जा रहा है। इस काम में कुछ मजदूरों के साथ दूर संचार विभाग के कर्मचारी भी मौजूद थे। इस बीच अचानक कई नक्सली हथियारों के साथ पहुंचे और दूरसंचार कर्मियों के साथ ही मजदूरों को भी पीटा। नक्सलियों ने यहां टॉवर लगाने का विरोध किया ओर दूरसंचार के कर्मचारियों को पुलिस की शह पर काम करने वाला बताया। पिटाई के बाद मजदूर बुरी तरह से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नाबालिग ने कुदाई ऐसी कार सीधे गिरा सूखे नहर में एयर बैग खुलने से बची जान

बालोद। जिले में नाबालिग कार चालक के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। हालांकि हादसे में किसी की मौत नहीं हुई लेकिन हादसे की तस्वीर आपकों दहलाने के लिए काफी है। दरअसल नाबालिग कार चालक अपने दो दोस्तों के साथ कार लेकिन निकला था। रास्ते में कार को नियंत्रित नहीं कर पाया और सीधे सूखे नहर में जा गिरा। गनिमत रही कि कार के एयरबैग खुल गए और बच्चों की जान बच गई। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

यह घटना बालोद-राजनांदगांव मुख्य मार्ग पर ग्राम तरौद के पास यह हादसा हुआ। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है। यहां के आमापारा का रहने वाला नाबालिग अपने दो दोस्तों के साथ पिता की कार लेकर निकल गया। सड़क पर वह काफी स्टंट कर रहा था। कार को मस्ती में चलाते हुए रफ्तार भी बढ़ा दी। सड़क पर लगभग 100 की रफ्तार से कार चला रहा नाबालिग इसकी स्पीड कंट्रोल नहीं कर पाया और सड़क किनारे सूखे नहर में कुदा दिया। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

कार में एयर बैग लगे थे जो हादसे के साथ ही खुल गए। इससे कार चालक नाबालिग के साथ ही उसके दोनों दोस्तों की जान बची। आसपास के लोगों ने तीनों को कार से निकाला। इसके बाद तीनों नाबालिगों ने अपने अन्य दोस्तों को बुला लिया। इनसभी ने मिलकर कार को सीधा किया और ट्रैक्टर से खींचकर अपने घर ले गए। घटना का सीसी टीवी फुटेज भी वायरल हुआ है। इस मामले में बालोद थाना प्रभारी नवीन बोरकर ने कहा है कि नाबालिग कार चालक के कारण कई लोगों की जान जा सकती थी। इन पर कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 22.02.2023

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 09.03.2023 तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	निविदा आमंत्रण
332/125953	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत विभिन्न मार्गो एवं पुल-पुलिया का विशेष मरम्मत कार्य	60.00	द्वितीय
333/125954	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य	24.83	द्वितीय
334/125956	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत कार्य	50.00	द्वितीय
335/125960	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवासीय संधारण मरम्मत कार्य	21.00	द्वितीय
336/125961	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत मंगचुवा में शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय का उन्नयन कार्य	31.04	द्वितीय
337/126036	ग्राम चेचानमेटा ब्लाक साजा में हायर सेकेण्ड्री भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	120.27	द्वितीय
338/125964	खुटेरी से तोरनकट्टा पहुंच मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी. का निर्माण कार्य	198.50	द्वितीय
339/125968	ग्राम -बेलरगोंदी (वि.,ख. छुरिया) में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य	68.69	द्वितीय
340/125969	राजनांदगांव संभाग के अंतर्गत ट्राफिक साईन बोर्ड, चिन्ह बोर्ड, ओव्हर हेड साईन बोर्ड एवं रोड मार्किंग कार्य।	53.78	चतुर्थ
341/125970	उपसंभाग क्रं 2 राजनांदगांव/चौकी के अंतर्गत बंजारी मासुल फाफामार मार्ग कि.मी. 1 से 6/4 = 5.40 कि.मी. एवं 02 अन्य मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	109.80	द्वितीय
342/125971	उपसंभाग क्रं 1 बालोद के अंतर्गत बालोद बायपास मार्ग कि.मी. 3,4,5 एवं 6 = 4.00 कि.मी एवं अन्य 04 मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	189.22	द्वितीय
343/125972	उपसंभाग क्रं 2 बालोद के अंतर्गत धोबनी-घोटिया मार्ग लं 3.80 कि.मी एवं अन्य 04 मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	122.36	द्वितीय
344/125973	उपसंभाग क्रं 2 बालोद के अंतर्गत गुजरा-अड़जाल मार्ग लं 3.00 कि.मी एवं अन्य 04 मार्गों में डामर नवीनीकरण कार्य।	187.16	द्वितीय
345/125974	कवर्धा बायपास नया कि.मी. 3,4,8/2=2.044 कि.मी., सहसपुर-सरोधा कि.मी.1/7 से 4=3.30 कि.मी., सहसपुर-सरोधा कि.मी.5 से 7=3.30 कि.मी., रणवीरपुर से विरेन्द्रनगर मार्ग लं 3.00 कि.मी कुल लं = 11.344 कि.मी. में डामर नवीनीकरण कार्य।	161.66	द्वितीय

टीप

1. एन.आई.टी.क्रं. 332,333,334,335,336,342,343 एवं 344 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद से संबंधित है एवं एन.आई.टी.क्रं. 337 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा से संबंधित एवं एन.आई.टी.क्रं. 338 से 341 तक लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव संभाग राजनांदगांव से संबंधित है एवं एन.आई.टी.क्रं. 345 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portas एवं विभागीय वेबसाइट "http://eproc.cgstate.gov.in" से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी-98933/6

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210976

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2023/760/500 — भिलाई, दिनांक 1/03/2023

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगाः-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्री दिनेश कुमार शुक्ला, आत्मज स्व. शिवकांत शुक्ला, निवासी- मकान नं. -जै./380, रामाग्रीन कालोनी, सरकण्डा, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)	1. श्रीमती ममता शुक्ला, ध.प. श्री कमलाकांत शुक्ला, 2. श्री कमलाकांत शुक्ला आत्मज स्व. जी.पी. शुक्ला, निवासी- प्लाट नं.-17, चोपडा डेयरी के पास, एच.4 कि सामने गली आदर्श नगर दुर्ग, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका फरीद नगर वार्ड क्रं. 07 (मैत्री विहार अन्दर भाग) भिलाई, खसरा नं. 2631/21, प्लाट नं.- 66, कुल क्षेत्रफल 1500 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2	मेसर्स वेद प्रकाश चोपडा एंड कंपनी कुरुद भिलाई भागीदार- श्री आलोक कुमार लुनिया, पिता स्व. जे. के. लुनिया, निवासी- एस.एम. 31 पद्मनाभपुर दुर्ग से श्री अजय कुमार त्रिपाठी, आ. श्री .पी. एन. त्रिपाठी, सा.- ए.सी.सी.मेन गेट, राजीव नगर, जामुल भिलाई, दुर्ग, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	1. मोहम्मद सादिक अली, आ. मोहम्मद अलीम, 2. मोहम्मद आशिक अली, आ. मोहम्मद अलीम, सा.- प्लाट नं.-64 सुंदर विहार कालोनी, कुरुद भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरुद, कुरुद वार्ड वार्ड नं. 16, सुंदर विहार कालोनी अंदर भाग, भिलाई, खसरा नं. 1420/249, प्लाट/दुकान नं.- 10, रकबा- 394 वर्गफीट, व्यवसायिक भवन निर्मित।
3	स्व. रविन्द्र सुरेश कुमार, आ. श्री के.एन. रविन्द्रनाथन्, पता- प्लाट नं. 38, शिवाजी नगर कोहका, भिलाई तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती स्मिता सुरेश पति स्व. आर सुरेश कुमार, श्री आदित्य सुरेश कुमार, पिता स्व. आर सुरेश कुमार, आदर्श सुरेश कुमार, पिता स्व. .आर सुरेश कुमार, भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	कोहका शिवाजी नगर (अंदर भाग) वार्ड नं. 08, भिलाई, खसरा नं. 2739, प्लाट नं.- 62 एवं 63 का भाग, रकबा-3600 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
4	श्री मजहर अली, पिता स्व. मोहम्मद इसहाक, निवासी- प्लाट नं.-11, वार्ड नं. 14, नागसेन विद्यालय के पास कैलाश नगर कुरुद भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्री दानिश अली, पिता श्री मजहर अली, निवासी- प्लाट नं.-11, वार्ड नं. 14, नागसेन विद्यालय के पास कैलाश नगर कुरुद भिलाई, तहसील व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	दानपत्र	कोहका, (वार्ड नं-16 कुरुद वार्ड के सुन्दर विहार फेस 02), भिलाई, खसरा नं. 1383/172, प्लाट नं.- 17 का भाग, कुल रकबा-0.025 हेक्टेयर में सें 0.008 हेक्टेयर याने 876.66 वर्गफीट, रिक्त भूमि।
5	श्रीमती कुसुम सिंह, ध.प. श्री बलराम सिंह, निवासी- ब्लाक नं.- 3/F, सड़क 21, शासकीय विद्यालय के पास, सेक्टर -06, सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्री धर्मेन्द्र कुमार, आ. श्री शिकारी प्रसाद, निवासी- मकान नं. 93, सपना टाकिज, पानी टंकी के पास जोन-01 खुर्सीपार, भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, (वार्ड नं. 10 शांति नगर वार्ड के चंद्र नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.- 5115/2, प्लाट नं. 20 का भाग (बी), रकबा-1200 वर्गफीट, आवासीय निर्मित भवन।
6	श्रीमती कुसुम सिंह, ध.प. श्री बलराम सिंह, निवासी-ब्लाक नं.- 3/F, सड़क 21, शासकीय विद्यालय के पास, सेक्टर-06, सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्री धर्मेन्द्र कुमार, आ. श्री शिकारी प्रसाद, निवासी- मकान नं. 93, सपना टाकिज, पानी टंकी के पास जोन-01 खुर्सीपार, भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, (वार्ड नं. 10 शांति नगर वार्ड के चंद्र नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.- 5115/1, प्लाट नं. 20 का भाग (ए), रकबा-1200 वर्गफीट, आवासीय निर्मित भवन।
7	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल, आ. श्री गोपाल अग्रवाल, प्रोपराईटर मेसर्स राजेन्द्र इस्पात, रजिस्टर्ड ऑफिस प्लाट नं.- ई/10, लोहा बाजार, हीरापुर, रायपुर तहसील व जिला- रायपुर(छ.ग.)	1. श्रीमती मेघा शर्मा, पिता श्री मनोज कुमार, 2. साकेत राजोरिया, पिता श्री रामशंकर राजोरिया, पता- फ्लैट नं. 202, बी-1, रामकृष्णा एन्क्लेव सरकंडा, नूतन चौक बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, विवेकानंद नगर बरली हाईटस अपार्टमेंट (वार्ड क्रं. 08, विवेकानंद नगर, कोहका) भिलाई, फ्लैट क्रमांक-402, चतुर्थ तल, प्रकोष्ठ प्रकार-TYPE 3BHK, क्षेत्रफल- 95.75 वर्गमीटर पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
8	मृणाल निरंकारी, पिता श्री मंजीत सिंह निरंकारी, निवासी- ब्लाक-04, प्लाट नं. -13, नेहरु नगर ईस्ट भिलाई, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.)	श्री कमल कुमार राय, पिता विजय गोपाल राय, निवासी- क्वा नं.-15 बी., स्ट्रीट-30, सेक्टर-04 भिलाई, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी (वार्ड नं. -01 रॉयल ग्रीन से लगा अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.- 144/24,रकबा-1000 वर्गफीट,आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

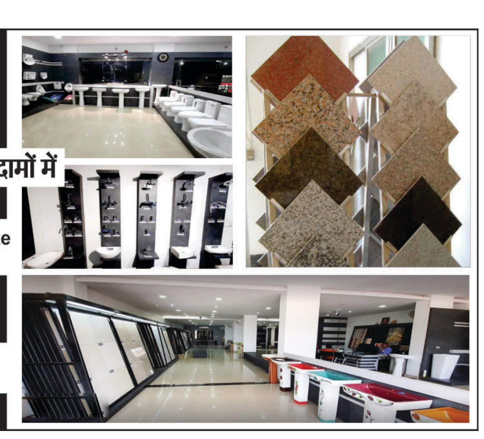

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles

Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ताः 93003-77572

सरयूपारिय महिला सखियों द्वारा मिलन समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सरयूपारिय महिला सखियों द्वारा होटल अमित पार्क में 26 फरवरी को होली मिलन एवं महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सर्वप्रथम शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के तैलचित्र की पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण अतिथियों ने किया।

तत्पश्चात कार्यक्रम का प्रारंभ सुधा मिश्रा के स्वागत उद्बोधन से हुआ. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ हंसा शुक्ला (प्राचार्य, स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज, हुडको), थाना छावनी प्रभारी इंस्पेक्टर नवी मोनिका पांडे एवं श्रीमती पदमा (अध्यक्ष, आंध्रा समाज) उपस्थित थीं. इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए ब्राम्हण सखियों एवं वरिष्ठ मातृ शक्तियों का सम्मान किया गया. सम्मानित होने वाली मातृ शक्तियों में क्रमश: श्रीमती रामलली तिवारी (समाज), श्रीमती उर्मिला उपाध्याय (सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र), श्रीमती आशा शुक्ला, श्रीमती नीलम तिवारी एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी प्रमुख रूप से शामिल थीं. इस अवसर पर अतिथियों ने अपने उद्बोधन में अपने विचार व्यक्त किए. डॉ हंसा शुक्ला ने कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं ब्राह्मण महिला शक्ति की एकता पर जोर दिया. इंस्पेक्टर मोनिका पांडे ने अपने उद्बोधन में सभी सखियों को एक दूसरे की सहायता के लिए प्रेरित किया एवं आश्वासन दिया कि वे हमेशा कानूनी परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध रहेंगी. श्रीमती पदमा ने अपने उद्बोधन में योग से निरोग रहने के लिए प्रेरित किया.

इस कार्यक्रम में सखियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं हाउजी का आयोजन किया गया एवं होली की अग्रिम शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा किया गया कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्रीमती ममता शुक्ला ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती रूपा मिश्रा, वरलक्ष्मी, ममता शर्मा, अनीता, सविता त्रिपाठी, मंजू, ममता, सुधा, शीला एवं शर्मिला ने महत्वपूर्ण योगदान दिया. उक्त जानकारी सुधा मिश्रा एवं ममता शुक्ला द्वारा दी गई।

खास - खबर

राजीव युवा मितान क्लब श्रमदान से कर रहे है तालाबों की सफाई

भिलाई। राजीव युवा मितान क्लब ने तालाब सफाई का अभियान चलाया और श्रमदान कर तालाब की सफाई की। आज खमरिया के आला बंद तालाब में राजीव युवा मितान क्लब ने तालाब परिसर की साफ-सफाई की। अन्य तालाबों में भी इसी प्रकार से सफाई अभियान चलाकर तालाबों को स्वच्छ रखने का प्रयास किया जाएगा। राजीव युवा मितान क्लब ने आसपास के तथा वार्ड वासियों से तालाब को स्वच्छ रखने के लिए तथा तालाब में कचरा नहीं डालने की गुजारिश भी की। राजीव युवा मितान क्लब के द्वारा खेल गतिविधि, सामाजिक गतिविधि तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही सेवाभावी कार्य भी कर रहे हैं। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने दिशा-निर्देश के अनुरूप कार्य करने के निर्देश राजीव युवा मितान क्लब को दिए हैं।

चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल के लिए सिटी बस सेवा प्रारंभ, मिलेगी सुविधा

भिलाई। चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल अस्पताल तक आने-जाने के लिए सिटी बस की सेवाएं प्रारंभ हो गई है। सीसीएम के लिए सिटी बस का परिचालन चालू कर दिया गया है। इसके बाद से अब सीसीएम कचांदूर तक जाने के लिए लोगों को आवागमन की अच्छी सुविधा मिल पाएगी। उल्लेखनीय है कि लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सिटी बस सेवा प्रारंभ की गई है, कई रूट पर सिटी बस सेवा सड़कों पर दौड़ने लगी है तथा लोग इन बसों के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं और सिटी बस की सुविधा का लाभ ले रहे है।

संगीता लाल ने अपने देहदान की घोषणा की

दुर्ग। स्मृति नगर निवासी संगीता लाल ने अपने देहदान की घोषणा कर वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया,हरमन दुलई,रितेश जैन को सौंपी, सेन्ट्रल बैंक से सेवानिवृत कर्मचारी तपन नाग देहदान के साक्षी बने व संगीता के निर्णय का स्वागत किया, संगीता ने कहा वह मध्यम परिवार से हैं एवं उन्होंने अपने पिता की बहुत सेवा की उनके पिता बीएसपी स्कूल में शिक्षक थे व हमेशा उन्होंने लोगों के भले की शिक्षा दी, पिता के निधन के बाद उन्होंने निर्णय लिया की वह अपना देहदान करेंगी ताकि उनके नेत्रों से दो लोग देख सकें व मेडिकल के छात्रों को रिसर्च हेतु केडेवर मिल सके। हरमन दुलई ने कहा संगीता का देहदान का निर्णय वास्तव में साहसिक निर्णय है क्योंकि संगीता अकेली ही जीवन यापन कर रहीं हैं एवं कठिन परिस्थितियों में भी उनकी सोच समाज के प्रति समर्पण की है।

कोक ओवन ने भी बनाया नया दैनिक कीर्तिमान

बीएसपी के यूआरएम ने फरवरी माह में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के रचे नये कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने फरवरी 2023 माह में उत्पादन के नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्मिकों व अधिकारियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई प्रेषित की। साथ ही उन्होंने इन विभागों के सहयोगी विभागों को भी शुभकामनाएं दी।

विभाग प्रमुख श्री अनीष सेनगुप्ता ने रिकॉर्ड निष्पादन के लिए संयंत्र के आरसीएल, एसएमएस-3, ट्रैफिक, पीपीसी विभागों के साथ राइट्स के योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

उल्लेखनीय है कि यूआरएम विष्व के सबसे लंबी 130 मीटर रेल का उत्पादन करता है एवं भारतीय रेल को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की आपूर्ति करता है।

यूआरएम ने रचा उत्पादन का मासिक कीर्तिमान

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने फरवरी 2023 माह में 69,077 टन रेल्स का उत्पादन कर फरवरी 2022 में बनाए गए 58314 टन के रिकॉर्ड को किया ध्वस्त। इसके साथ ही औसतन 2467 टन प्रतिदिन प्राइम रेल्स की रोलिंग कर नवम्बर 2022 में बनाए गए 2401 टन प्रतिदिन प्राइम रेल्स रोलिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इसी प्रकार फरवरी 2023 में औसत दैनिक रोलिंग का भी नया रिकॉर्ड बनाया है।

इसके तहत औसत 334 ब्लूम प्रतिदिन रोल कर नवम्बर 2022 में बनाए गए 326 ब्लूम्स प्रतिदिन औसत रोलिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने वेल्डिंग ज्वाइंट में भी नया रिकॉर्ड बनाते हुए औसतन 157 प्रतिदिन वेल्डेड पैनल बनाकर पिछले रिकॉर्ड औसतन 151 प्रतिदिन वेल्डेड पैनल के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया।

कोक ओवन ने बनाया दैनिक कीर्तिमान

सेल-बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने 28 फरवरी 2023 को 824 ओवन पुष कर 20 जनवरी 2023 को किए गए 820 ओवन पुषिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इसी क्रम में 27 फरवरी 2023 को कोक ओवन ने 444 वैगन कोल की अनलोडिंग कर 8 जनवरी 2023 को बनाए 441 वैगन अनलोडिंग के रिकॉर्ड को तोड़ने में कामयाबी हासिल की। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने यूआरएम बिरादरी को बधाई दी और साथ ही आरसीएल, राइट्स सहित अन्य संबंधित विभागों को भी बधाई दी। इसके साथ ही कोक ओवन बिरादरी को भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

अवैध निर्माण एवं अनाधिकृत विकास नियमितीकरण में रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत अवैध निर्माण एवं अनाधिकृत विकास के लिए पुराना बस स्टैंड,पुरानी सिटी कोतवाली के सामने शिविर का आयोजन किया गया द्य शिविर के माध्यम से अनाधिकृत विकास और अवैध निर्माण के नियमितीकरण के लिए शिविर का दूसरा दिन में क्षेत्र के लोगो ने आवेदन फॉर्म लेकर अवैध नियमितीकरण शिविर का लाभ उठाया ।शिविर के दौरान भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी,सहायक भवन अधिकारी गिरीश दिवान,सहायक भवन निरीक्षक विनोद माझी, श्रीमती रुक्मणी ठाकुर,माया ताम्रकार मौजूद रहें।

क्षेत्र से अवैध निर्माण एवं अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण को लेकर आवेदन का संग्रहण किया जा रहा है ।इसके लिए नया पारा क्षेत्र में शिविर में लोगो को अनाधिकृत व अवैध निर्माण नियमितीकरण अपील आवेदन प्राप्त किये ।इसके साथ ही अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए पूछताछ करने लोग पहुँचे ।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अनधिकृत निर्माण को लेकर शिविर का ज्यादा से ज्यादा लोगो द्वारा लाभ उठाने की अपील की है।

अवैध निर्माण एवं अनाधिकृत विकास नियमितीकरण शिविर में रफ्तार दिखाई दिया है ।घरों ?र प्लाटो पर अनाधिकृत तरीके से बनाए गए भाग के नियमितीकरण की सुविधा लोगो को अब आसानी से मिलने लगी। निगम द्वारा शिविर का आयोजन दिनाँक 2 मार्च 23 को गया बाई स्कूल,गया नगर में समय सुबह 10:00 बजे से लेकर 3 बजे तक निर्धारित समय पर अपील आवेदन प्राप्त किये जा सकते है।

25 स्थानों से हटाए गए अवैध कब्जे, होर्डिंग एवं पोस्टर की भी बनाई गई जब्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए वैशाली नगर में 25 अवैध कब्जे को हटाया गया। इसके साथ ही यातायात को बाधित करने वाले होर्डिंग और पोस्टर की जब्ती भी बनाई गई। भिलाई निगम क्षेत्र में इसके लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इंदिरा चौक रामनगर में सड़क, नाली को प्रभावित करने वाले अतिरिक्त निर्माण तथा कब्जे को हटाने की कार्रवाई भिलाई निगम ने की है।

सामानों को बढ़ाकर अतिरिक्त रूप से व्यवसाय करने वाले लोगों को समझाइश देते हुए उनके सामग्रियों को भीतर करवाया गया। ऐसे प्रचारक सामग्री जो बाधा बन रहे थे उन्हें भी हटाया गया। अतिरिक्त रूप से लगाए गए शेड को भी तोड़ने की कार्यवाही निगम ने की है। अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कब्जा पर कार्रवाई करने के लिए जेसीबी की मदद ली गई। गौरतलब है कि अवैध निर्माण, अवैध प्लाटिंग तथा अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई करने के निर्देश निगमायुक्त रोहित व्यास ने अधिकारियों को दिए है। इसी तारतम्य में भिलाई निगम क्षेत्र में इसको लेकर कार्रवाई की जा रही है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी तथा जोन आयुक्त येशा लहरे के निर्देश पर आज सहायक राजस्व अधिकारी जगदीश तिवारी ने वैशाली नगर क्षेत्र के कई स्थानों से अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई की।

शहर के 600 कामगार हड़ताल पर वार्डो में सफाई ध्वस्त

अरुण वोरा ने नगरीय निकाय मंत्री शिव डहरिया को मांगो से कराया अवगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इटंक के बैनरतले शहर के सफाई कामगार ड्रायवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर व अन्य 600 कामगार के हड़ताल में जाने से 60 वार्डो में सफाई व अन्य व्यवस्था सुबह से ही ठप्प हो गई। लोगों के घरों व नुक्कडो से कचरा नहीं उठा।

बजट सत्र में रायपुर जाने से पूर्व विधायक अरुण वोरा ने हड़तालियों के 8 सूत्रीय मांगो को लेकर दादा-दादी पार्क में एकत्रित कर्मचारियों से मिले और आयुक्त से चर्चा कर कर्मचारियों की मांग को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। श्री वोरा ने आयुक्त से कहा है कि सफाई कर्मी भी उनके परिवार के सदस्य है। पूरा विधानसभा क्षेत्र उनका परिवार है। कर्मचारियों की मांगो पर तत्काल पहल करें। रायपुर पहुंचने के बाद विधायक वोरा ने नगरीय निकाय मंत्री शिवकुमार डहरिया से मुलाकात की और उन्हे सफाई कर्मियो की मांगो से अवगत कराया। कर्मचारियों की 8 सूत्रीय मांगो में प्रमुख निगम में कार्यरत् प्लेसमेंट सफाई कर्मियो के लिए ठेकेदारी प्रथा समाप्त, वेतन भविष्यनिधि एवं चिकित्सा सुविधा, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कर्मियो को न्यूनतम मजदूरी व अन्य सुविधा प्रदान करने, रेलवे व जल विभाग में कार्यरत कर्मियो को भविष्यनिधि, चिकित्सा सुविधा व इंश्योरेशन, कम्प्यूटर ऑपरेटरो को एक ठेकेदार के अधीन की व्यवस्था, श्रमिक विरोधी कार्यवाही में रोक, एमबीबीएस डिग्रीधारी को स्वास्थ्य अधिकारी की नियुक्ति एवं कोरोना काल में कार्य करने वाले कर्मियो को एक माह का अतिरिक्त वेतन दिया जाए। धरना स्थल पर एमआईसी मेम्बर श्रीमती जयश्री जोशी, पार्षद निर्मला साहू, राजेश शर्मा उपस्थित थे।

बीएसपी कर्मियों ने 'समृद्धि' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले जीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र ने क्विजिंग के क्षेत्र में उपलब्धियों की अपनी श्रृंखला में एक और नया आयाम कायम करते हुए संयंत्र की दो युवा महिला अधिकारी, सहायक प्रबंधक (कार्मिक) द्वय सुश्री शालिनी चैरसिया और सुश्री सुष्मिता पाटला ने 27 फरवरी, 2023 को एमटीआई, रांची में आयोजित सेल स्तरीय 'समृद्धि' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले जीता।

इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रारंभिक व स्क्रीनिंग राउंड क्रमश: विभिन्न संयंत्रों/इकाइयों में आयोजित किए गए थे। 'समृद्धि' प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली सेल स्तरीय तीन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि 'समृद्धि' विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के लिए है तथा 'सक्षम' कार्यपालक अधिकारियों के लिए और 'समर्थ' गैर-कार्यपालकों के लिए है। भिलाई बिरादरी के लिए यह खुशी की बात है कि इस वर्ष 2022-23 उपरोक्त तीनों प्रतियोगिताओं में बीएसपी की अलग-अलग टीमों ने जीत हासिल की है। विदित हो कि 'सक्षम' क्विज सर्वश्री उमेश मलयथ, वरिष्ठ प्रबंधक (ओपी-2) और वी निवेश, प्रबंधक (कार्मिक) ने जीता था तथा 'समृद्धि' क्विज, एसएमएस-2 की ओसीटी सुश्री प्रियंका राज गुप्ता और सुश्री प्रियंका साहू ने जीता था। 'सक्षम' और 'समर्थ' के ग्रैंड फिनाले की मेजबानी बीएसपी के मानव संसाधन विकास विभाग ने की थी। भिलाई की एक समृद्ध परंपरा और प्रश्नोत्तरी की संस्कृति रही है। हाल के दिनों में जब मानव संसाधन विकास विभाग ने एचआरडीसी में अपने मासिक व्यवसाय और प्रबंधन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम 'क्वेस्टऑन' को फिर से लॉन्च कर इसे और सुदृढ़ किया है। यह कार्यक्रम हर महीने के चैथे शनिवार को आयोजित किया जाता है और इसमें कार्यपालक अधिकारियों के साथ-साथ गैर कार्यपालक की 2 सदस्यीय टीम भाग ले सकती हैं। यह बीएसपी के इन-हाउस क्विज मास्टर्स द्वारा आयोजित किया जाता है। इसने इस अर्थ में समृद्ध लाभांश का भुगतान किया है कि बीएसपी के पास अब क्विज मास्टर्स के साथ-साथ क्विजर्स का एक समृद्ध पूल है। 'समर्थ' और 'समृद्धि' के ग्रैंड फिनाले का संचालन बीएसपी के क्विज मास्टर्स ने किया। 'क्वेस्टऑन' के अलावा, मानव संसाधन विकास विभाग ने 'टेक क्वेस्ट 2.0', इंजीनियर्स डे (15 सितंबर) के अवसर पर एक तकनीकी क्विज और 21 जनवरी, 2023 को सेल स्वर्ण जयंती क्विज ग्रैंड फिनाले जैसे विशेष क्विज इवेंट भी आयोजित किया था।

निगम तुहर द्वार अंतर्गत महापौर ने वार्ड क्रमांक 1 का किया दौरा

लोगों की समस्याएं भी सुनी निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत निगम तुहर द्वार के तहत महापौर नीरज पाल ने खमरिया वार्ड का दौरा किया। आज वार्ड 1 से इसकी शुरुआत हुई है। महापौर नीरज पाल ने निगमायुक्त रोहित व्यास तथा अधिकारियों के साथ खमरिया के मोहल्ले तथा अंदरूनी क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने आमजन से मुलाकात की। वार्ड के निरीक्षण के दौरान कई समस्याएं परिलक्षित हुई जिसके निराकरण के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए। महापौर ने महात्मा गांधी सरोवर, शीतला तालाब परिसर व अलाबंद तालाब तथा स्वामी आत्मानंद स्कूल का भी जायजा लिया। महापौर ने चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं मुखरता से सुनी तथा कई त्वरित समाधान योग्य समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। समस्या लेकर एक ऐसी महिला शांता यादव पहुंची जिसका कुछ महीने से पेंशन नहीं मिल रहा था, महापौर के निर्देश पर जब इसका परीक्षण करवाया गया तो पता चला कि इनका पेंशन लगातार उनके बैंक के खाते में जा रहा है, महापौर ने वाहन की व्यवस्था कर तथा कर्मचारी को साथ भेजकर महिला को पेंशन दिलवाया। इस दौरान सभापति गिरवर बंटी साहू, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, वार्ड पार्षद योगेश साहू तथा छाया पार्षद महेंद्र साहू, जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, सहायक अभियंता आलोक पसीने, महापौर के निज सचिव वसीम खान तथा उप अभियंता अर्पित बंजारे आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950